संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक-310 बुधवार,13 सितम्बर 2023, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

डीजल गाड़ियों को खरीदना होगा महंगा

» 10प्रतिशत एक्स्ट्रा जीएसटी लगाने की तैयारी

नई दिल्ली,12 सितम्बर 2023(ए)।
63वें सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स कन्वेंशन में बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि, वो केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से डीजल इंजन/वाहनों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत जीएसटी लगाने का अनुरोध करने की योजना बना रहे हैं. डीजल वाहन सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलाते हैं, और सरकार चाहती है कि सड़क पर इनकी संख्या कम से कम हो.
उन्होंने कहा कि, मैंने एक पत्र तैयार रखा है, जिसे मैं आज शाम वित्त मंत्री को सौंपूंगा, जिसमें डीजल वाहनों और डीजल से चलने वाले

सभी इंजनों पर अतिरिक्त 10प्रतिशत जीएसटी लगाने का प्रस्ताव है.। गडकरी ने कहा कि, वो ऑटोमोबाइल कंपनियों को डीजल वाहनों के निर्माण को कम करने के लिए डीजल से चलने वाले वाहनों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का प्रस्ताव कर रहे हैं. ताकि डीजल वाहनों का निर्माण कम हो और इससे होने वाले प्रदूषण पर लगाम लगाई जा सके. सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के अनुसार, नितिन गडकरी ने ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को स्वयं ही इस बारे में सोचने को कहा है.
नितिन गडकरी ने कहा कि, ऑटो इंडस्ट्री को स्वतः ही डीजल वाहनों से होने वाले प्रदूषण को संज्ञान में लेकर आगे बढ़ना चाहिए. अन्यथा सरकार के पास डीजल ऐसी परिस्थितियां पैदा करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं होगा, जिससे वो स्वयं ही मजबूर हो जाएंगे. उन्होंने कहा, डीजल को अलविदा कहो... स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करें, नहीं तो हम टैक्स इतना बढ़ा देंगे कि आप डीजल वाहन नहीं बेच पाएंगे. उन्होंने कहा कि पिछले 9 वर्षों में डीजल कार की हिस्सेदारी 2014 में 335 से घटकर अब 28 प्रतिशत हो गई है. उन्होंने डीजल इंजनों से पर्यावरण को होने वाले नुकसान के बारे में बताया साथ ही प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन पर अंकुश लगाने की बात कही. सरकार को उम्मीद है कि, डीजल वाहनों पर टैक्स लगाए बढ़ाए जाने से इनका निर्माण और बिक्री कम होगी, जिससे प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी.

बीजेपी नेता को पुलिस ने किया गिरफ्तार,लगा ये गंभीर आरोप

बरेली,12 सितम्बर 2023(ए)। नवाबगंज क्षेत्र में बीजेपी के सेक्टर प्रभारी को पुलिस ने कारतूस सप्लाई के आरोप में जेल भेज दिया है. उनके पास से एक कारतूस की बरामदगी बताई गई है. बीजेपी नेता के बेटे ने सीओ को शिकायती चिट्ठी देकर मामले में कार्रवाई की मांग की है.

हाफिजगंज थाना क्षेत्र के औरंगाबाद गांव के दिनेश कुमार भाजपा के सेक्टर प्रभारी हैं. 8 सितंबर की शाम वह अपने बेटे शैलेंद्र के साथ बाइक से घर जा रहे थे. उनके बेटे के मुताबिक रास्ते में गांव के ही कुछ दबंगों ने उन्हें घेरकर तमंचे से फायर कर दिया. गोली दगने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए. खुद को घिरता देख दबंग वहां से भाग गए.इसी दौरान दबंगा का एक जिंदा कारतूस मौके पर गिर गया. बेटे के मुताबिक फायरिंग की घटना की सूचना डॉयल-112 पर दी गई थी. पुलिस ने थाने पर शिकायत करने को कहा था. इसके बाद वे (दिनेश कुमार) कारतूस लेकर थाने पर पहुंचे तो पुलिस ने उन्हें ही थाने पर बिठा लिया. बाद में उन्हें कारतूस के साथ जेल भेज दिया.

बीजेपी नेता हुए पार्टी से निष्कासित

» पुलिसकर्मियों पर भी गिरी गाज

» किशोरी से रेप,उसके पिता की हत्या,बहन से छेखानी और भाई से मारपीट के मामले में आरोपी बीजेपी नेता पर एक्शन हुआ है.

महाराजगंज,12 सितम्बर 2023(ए)।
उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले में दलित किशोरी से रेप, उसके पिता की हत्या, बहन से छेड़खानी और भाई से मारपीट के मामले में आरोपी बीजेपी नेता राही मासूम रजा पर एक्शन हुआ है. उसे पार्टी से 6 वर्षो के लिए निष्कासित कर दिया गया है. आरोपी राही मासूम रजा बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा का जिलाध्यक्ष था. इतना ही नहीं राही मासूम रजा की मदद करने व पूरे प्रकरण में मध्यस्थता कर पीड़िता को रुपये दिलवाने के आरोप में महाराजगंज पुलिस मीडिया सेल में तैनात

सिपाही आबिद अली व मददगार गुड्डु शाह को सोमवार को जेल भेज दिया गया. साथ ही आरोपित की सुपुर्दगी लेने वाले पुलिस अधीक्षक कार्यालय के परिवार परामर्श केंद्र के काउंसलर समशुल होदा खान को भी पद से हटा दिया गया है.
महाराजगंज बीजेपी नेता प्रकरण मामले में नगर चौकी प्रभारी प्रवीन कुमार सिंह समेत पांच पुलिसकर्मियों के निलंबन और सदर कोतवाल रवि कुमार राय समेत 14 को लाइन हाजिर करने के बाद एसपी ने सोमवार को खाली जगह पर नई तैनाती दी है. पुलिस लाइन में तैनात उपनिरीक्षक घनश्याम समेत 17 पुलिसकर्मियों को कोतवाली में पोस्टिंग दी गई है. घटना के बाद पीड़िता द्वारा 164 का बयान बदले जाने के बाद पीड़िता के घर से छापेमारी में 9 लाख रुपये बरामद हुए हैं. बरामद रुपये के संबंध में पुलिस पीड़िता से बातचीत कर जानकारी इकट्ठा कर रही है. पुलिस को शक है कि पीड़िता द्वारा रुपये लेकर कही बयान को बदला तो नही गया है. दरअसल, राही मासूम रजा के खिलाफ दर्ज दुष्कर्म के मामले में उस वक्त यू-टर्न आ गया जब पीड़िता अपने बयान से पलट गई. उसने अपने बयान में सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया.

चंद्रमा और सूर्य मिशन के बाद अब भारत का सुमद्रयाण

» मत्स्य 6000 के उद्देश्य क्या हैं?

नई दिल्ली,12 सितम्बर 2023(ए)।
पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजिजू ने 11 सितंबर को ट्वीट किया कि अगला मिशन समुद्रयान है। इसे राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई में विकसित किया जा रहा है। इसके जरिए 3 इंसानों को समुद्र की 6000 मीटर की गहराई तक भेजा जाएगा। ताकि वहां के संसाधनों और जैव विविधता का अध्ययन किया जा सके।
मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि इस परियोजना से समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को कोई नुकसान नहीं होगा। यह एक गहरा मिशन है, जिसमें नीली अर्थव्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया गया है। समुद्र की गहराई में क्या छिपा है। इससे कई लोगों को रोजगार मिलेगा। क्योंकि समुद्र के संसाधनों का उपयोग किया जा सकता है। एक

तरफ इसरो चंद्रयान 3, गगनयान और सूर्य मिशन जैसे अंतरिक्ष अभियानों में सफलता हासिल कर रहा है। दूसरी ओर, भारत अब समुद्र की गहराई में क्या छिपा है, इसकी खोज कर रहा है।
मत्स्य 6000 को सबसे पहले एक व्यक्तिगत क्षेत्र शिल्प के रूप में बनाया गया था। जो समुद्र की गहराई 500 मीटर तक जा सकता है। व्यक्तिगत क्षेत्र में एक व्यक्ति को बैठाने की क्षमता थी। यह 2.1 मीटर व्यास वाली एक गोलाकार पनडुब्बी थी। जो हल्के स्टील का बना होता था। इसका परीक्षण बंगाल की खाड़ी में सागर निधि जहाज से किया गया। इस मिशन के सफल होने पर समुद्रयान प्रोजेक्ट को हरी झंडी मिल गई है।

एक क्रूज जहाज क्या है?

समुद्रयान पूर्णतः स्वदेशी मिशन है। यह एक सबमर्सिबल है। जिसे मत्स्य 6000 नाम दिया गया है। इसे बनाने में टाइटेनियम मिश्र धातु का उपयोग किया गया है। इसका व्यास 2.1 मीटर है। यह 3 लोगों को 12 घंटे तक समुद्र की 6 हजार मीटर की गहराई तक ले जा सकता है। इसमें 96 घंटे की आपातकालीन सहनशक्ति है। वर्तमान में सभी भागों का निर्माण किया जा रहा है।
यह मिशन 2026 तक लॉन्च किया जा सकता है। पनडुब्बी के सफल प्रक्षेपण के बाद भारत अमेरिका, रूस, फ्रांस, जापान और चीन जैसे देशों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो जाएगा। इन देशों के पास ऐसे मिशनों के लिए विशेष तकनीक और वाहन उपलब्ध हैं।

समुद्र के अंदर जहाज क्या करेगा?

जहाज का उद्देश्य एक व्यक्ति को पनडुब्बी के माध्यम से समुद्र की गहराई में दुर्लभ खनिजों का पता लगाने और खनन करने के लिए भेजना है। आमतौर पर एक पनडुब्बी 300 से 400 मीटर तक ही जाती है। इस प्रोजेक्ट पर करीब 4100 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसे गैस, हाइड्रेट्स, पॉलीमेटैलिक मैंगनीज नोड्यूल्स, हाइड्रोथर्मल सल्फाइड और कोबाल्ट क्रस्ट जैसे संसाधनों की खोज के लिए समुद्र तल पर भेजा जा रहा है। ये सभी चीजें समुद्र की 1 हजार से 5500 मीटर की गहराई में पाई जाती हैं।

डीप ओशन मिशन क्या है?

इसे जून 2021 में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा लाया गया था। इसका उद्देश्य समुद्री खनिजों की खोज करना, गहरे समुद्र में प्रौद्योगिकी भेजने के लिए समुद्री संसाधनों का उपयोग करना, नीली अर्थव्यवस्था में भारत सरकार की मदद करना है।

आसाराम बापू को बड़ा झटका

सुप्रीमकोर्ट ने विचार करने से किया इनकार

नई दिल्ली,12 सितम्बर 2023(ए)।
सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राजस्थान हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ आसाराम बापू की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। हाई कोर्ट ने बलात्कार के मामले में सजा निलंबित करने के उनके आवेदन को खारिज कर दिया था। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और एस.वी.एन. भट्टी की पीठ ने जमानत याचिका को खारिज कर दिया। हालाँकि, पीठ ने याचिकाकर्ता को निचली अदालत के दोषसिद्धि आदेश के खिलाफ अपील पर फैसला होने तक जमानत के लिए हाई कोर्ट में एक नया आवेदन दायर करने की छूट दे दी।
राजस्थान उच्च न्यायालय ने पिछले साल जुलाई में लंबित अपील के निपटारे तक सजा निलंबित करने की आरोपी की याचिका खारिज कर दी थी। इसमें कहा गया था कि सजा के निलंबन के लिए पिछले दो आवेदन खारिज कर दिए गए थे।

गृह मंत्रालय ने सीबीआई को लालू यादव के खिलाफ केस चलाने की दी अनुमति

नई दिल्ली,12 सितम्बर 2023(ए)।
लैंड फॉर जॉब मामले में सीबीआई को गृह मंत्रालय ने लालू यादव के खिलाफ केस चलाने की अनुमति दे दी है। सीबीआई ने यह जानकारी राउज एवेन्यू कोर्ट को दी। सीबीआई ने इस मामले में 3 जुलाई को सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी। इस चार्जशीट में पहली बार तेजस्वी यादव का नाम आया था। सीबीआई ने लालू यादव, राबड़ी देवी समेत इस मामले में 16 लोगों को आरोपी बनाया है। इनमें रेलवे के आरोपी अधिकारियों और नौकरी लेने वालों के नाम भी शामिल हैं।
लैंड फॉर जॉब स्कैम का यह केस 14 साल पुराना है। उस वक्त लालू यादव रेल मंत्री थे। दावा है कि लालू यादव ने रेल मंत्री रहते हुए रेलवे में लोगों को नौकरी देने के बदले उनकी जमीन लिखवा ली थी। बताते चलें कि लालू यादव 2004 से 2009 तक रेल मंत्री रहे थे। सीबीआई ने इस मामले में 18 मई को केस दर्ज किया था। सीबीआई के मुताबिक, लोगों को

पहले रेलवे में ग्रुप डी के पदों पर सब्स्टीट्यूट के तौर पर भर्ती किया गया और जब उनके परिवार ने जमीन का सौदा किया, तब उन्हें रेगुलर कर दिया गया। सीबीआई का कहना है कि पटना में लालू यादव के परिवार ने 1.05 लाख वर्ग फीट जमीन पर कथित तौर पर कब्जा कर रखा है। इन जमीनों का सौदा नकद में हुआ था। यानी, लालू परिवार ने नकद देकर इन जमीनों को खरीदा था। सीबीआई के मुताबिक, ये जमीनें बेहद कम दामों में बेच दी गई थीं।
रेलवे में नौकरी के बदले रिश्वत में जमीन लेने के आरोपों के मामले में सीबीआई जांच कर रही है। वहीं, मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में ईडी जांच कर रही है। सीबीआई ने इस मामले में चार्जशीट भी दाखिल कर दी। इस मामले में लालू यादव के करीबी व पूर्व विधायक भोला यादव और हृदयानंद चौधरी भी अभियुक्त हैं। आरजेडी नेता लालू यादव के ओएसडी रहे भोला यादव को सीबीआई ने 27 जुलाई को गिरफ्तार किया था। भोला 2004 से 2009 के बीच तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के ओएसडी थे।

नई संसद में नई ड्रेस में नजर आएंगे संसद के कर्मचारी

» कमल के फूल और खाकी रंग को भी मिली नई ड्रेस में जगह

नई दिल्ली,12 सितम्बर 2023(ए)।
18 सितंबर से शुरू होने जा रहे संसद के विशेष सत्र के दूसरे दिन, 19 सितंबर को गणेश चतुर्थी के अवसर पर पूजा करने के बाद नए संसद भवन में कामकाज शुरू हो जाएगा। इस विशेष सत्र के दौरान संसद भवन के कर्मचारी भी नई ड्रेस में नजर आएंगे। संसद के इस विशेष सत्र में संसद के सभी पुरुष और महिला कर्मचारी नई ड्रेस में नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि सभी कर्मचारियों की ड्रेस यहां तक कि जूते तक को बदल दिया गया है। नई ड्रेस में कमल के फूल और खाकी रंग को भी तवज्जो दी गई है।

आपको बता दें कि संसद भवन के कर्मचारियों के लिए यह नई ड्रेस निफ्ट द्वारा डिज़ाइन किया गया है। अब सचिवालय के कर्मचारी बंद गले के सूट की बजाय मेजेंटा या गहरे गुलाबी रंग की नेहरू जैकेट पहने नजर आएंगे। संसद भवन के टेबल ऑफिस के स्टाफ यानी सदन में स्पीकर के सामने बैठने वाले स्टाफ भी इसी ड्रेस में नजर आएंगे। इनकी शर्ट भी गहरे गुलाबी रंग की होगी, जिन पर कमल का फूल बना होगा और ये कर्मचारी अब खाकी रंग की पैंट पहने नजर आएंगे।
दोनो सदनों के मार्शल भी नई संसद में मणिपुरी पगड़ी पहने नजर आएंगे। इसके साथ ही संसद भवन के अन्य सुरक्षाकर्मियों की ड्रेस भी बदल दी गई है। अब ये सुरक्षाकर्मी सफारी सूट की बजाय सैनिकों की तरह कैमोफ्लेज ड्रेस पहने नजर आएंगे।

उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई चार सप्ताह के लिए स्थगित

नई दिल्ली,12 सितम्बर 2023(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को छात्र कार्यकर्ता उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई चार सप्ताह के लिए स्थगित कर दी, जिसे 2020 के दिल्ली दंगों के पीछे कथित साजिश के मामले में गैरकानूनी गतिविधियां गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था।

न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और बेला एम. त्रिवेदी की पीठ ने यह कहते हुए आदेश दिया कि अदालत को खालिद के खिलाफ आरोप पत्र दायर करने के बाद रिकॉर्ड पर रखे गए सबूतों को देखना होगा। खालिद ने दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा जमानत देने से इनकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

एएसपी क्राइम अभिषेक महेश्वरी समेत 7 अफसरों का ट्रांसफर

रायपुर,12 सितम्बर 2023(ए)।
छत्तीसगढ़ राज्य पुलिस सेवा के सात अधिकारीयों का तबादला आदेश जारी हुआ है। राज्य शासन द्वारा आज मंगलवार 12 सितंबर को देर शाम आदेश जारी किया गया है। बता दें मुख्या निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने प्रवास के दौरान मेराथन बैठक लेकर कलेक्टर, एसपी समेत आला प्रशासनिक अधिकारीयों की क्लास ली थी। आगामी विधानसभा चुनाव 2023 के मद्देनज़र लंबे समय से एक ही पुलिस जिला में जमे अधिकारी-कर्मचारियों का तबादला होना है।

लेकिन नियमतयः तबादला निति को मुंह चिढ़ाते ऐसे कई पुलिस अधिकारी और अन्य सरकारी महकमों में अब भी कई पदस्थ हैं।आज जारी 7 राज्य पुलिस सेवा के अधिकारीयों में एएसपी अभिषेक महेश्वरी समेत अन्य को भी ट्रांसफर कर दिया गया है। एएसपी क्राइम अभिषेक को बिलासपुर पदस्थ किया गया है। ट्रांसफर लिस्ट में देखिये और अन्य को कहां भेजा गया है

लद्दाख में दुनिया का सबसे ऊंचा एयरफील्ड बनाएगा भारत

» एलएसी से सिर्फ 50 किमी.दूर, फाइटर जेट भर सकेंगे उड़ान

नई दिल्ली,12 सितम्बर 2023(ए)।
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज जम्मू कश्मीर के दौरे पर हैं। यहां वे 2491 करोड़ की 90 परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। राजनाथ सिंह सांबा में 422.9 मीटर लंबे देवक ब्रिज का उद्घाटन करेंगे। यहीं से वे 89 प्रोजेक्ट्स का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शिलान्यास करेंगे। इनमें 13 हजार फीट की ऊंचाई पर बनने वाला न्योमा एयरफील्ड भी शामिल है। 218 करोड़ की लागत से बन रहे इस एयरफील्ड से फाइटर जेट उड़ान भर सकेंगे और उतर सकेंगे। खास बात ये है कि ये एयरफील्ड एलएसी से सिर्फ 50 किलोमीटर दूरी पर है।
एलएसी पूर्वी लद्दाख के रणनीतिक न्योमा बेल्ट में इस एयर फील्ड का निर्माण करेगी। यह दुनिया का सबसे ऊंचा एयरफील्ड होगा। इसके लिए 218 करोड़ रुपये अनुमानित लागत रखी गई है। यह रणनीतिक तौर पर काफी अहम माना जा रहा है। क्योंकि इसके बनने से एलएसी के करीब

तक फाइटर ऑपरेशन हो सकेंगे। इसके साथ ही यह लद्दाख में तीसरा फाइटर एयरबेस होगा। इससे पहले लेह और थोईस में एयरबेस हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सांबा से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस एयर फील्ड की आधारशिला रखेंगे।
अभी न्योमा एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड का इस्तेमाल 2020 से चीन के साथ चल रहे गतिरोध के दौरान जवानों और अन्य सामान को पहुंचाने के लिए किया जाता रहा है। यहां से चिनूक हेवी-लिफ्ट हेलिकॉप्टर और सी-130जे विमान भी उड़ान भरते और उतरते रहे हैं। अब यहां ऐसे एयरफील्ड का निर्माण किया जा रहा है, जहां लड़ाकू विमान भी उतर सकेंगे। इस एयरफील्ड के बनने के बाद लद्दाख में हवाई बुनियादी ढांचे को काफी बढ़ावा मिलेगा और हमारी उत्तरी सीमाओं पर वायुसेना की क्षमता में वृद्धि होगी।
लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर निगरानी और सुरक्षा के लिए न्योमा एयरफील्ड काफी अहम माना जा रहा है। इस नए एयरबेस से लद्दाख में निगरानी बढ़ाने के लिए लड़ाकू विमान, नए रडार और उन्नत ड्रोन संचालित हो सकेंगे। इस एयरबेस को तैयार करना, लगातार आक्रामक होते रहे चीन के खिलाफ आक्रामक क्षमताओं को बढ़ाने की योजना का हिस्सा है। हालांकि साल 2020 के बाद उस जैसी कोई झड़प नहीं हुई है, लेकिन तनाव बढ़ने के तीन साल बाद से दोनों पक्षों की ओर से बड़ी संख्या में तैनाती का गई है।

संपादकीय

प्रतिष्ठा बच गई!

यह स्पष्ट नहीं है कि भारत सरकार ने कैसे पश्चिमी देशों को पलक झपकाने और अपने घोषित रुख से पीछे हटने के लिए राजी किया। लेकिन ऐसा वास्तव में हुआ। यह दुनिया के बदलते समीकरणों की एक झलक है। जी-20 के नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में साझा घोषणापत्र का जारी होना जाना निश्चित रूप से एक बड़ी कामयाबी है। इसे भारत की एक विशेष कूटनीतिक सफलता भी कहा जा सकता है। यह सफलता इसलिए अधिक महत्त्वपूर्ण मालूम पड़ती है, क्योंकि एक दिन पहले तक घोषणापत्र पर आम सहमति बनने की न्यूनतम संभावना नजर आती थी। शिखर सम्मेलन से पहले भारत में जी-20 देशों के विदेश, वित्त और पर्यावरण मंत्रियों की हुई बैठकों के बाद कोई साझा बयान जारी नहीं हो सका था। वजह यह थी कि अमेरिका और अन्य पश्चिमी देश इस पर अड़े हुए थे कि ऐसे किसी बयान में 'यूक्रेन पर हमले' के लिए रूस की दो टूक शब्दों में निंदा होनी चाहिए। उधर रूस और चीन अडिग थे कि उन्हें ऐसा कोई बयान मंजूर नहीं होगा। पिछले साल इंडोनेशिया के बाली में हुए शिखर सम्मेलन इस मामले में इन दोनों देशों ने कुछ नरम रुख दिखाया था, जिससे पश्चिमी देश निंदा को घोषणापत्र में शामिल करवाने में सफल हो गए थे। मगर अब रूस और चीन का रुख अधिक सख्त हो चुका था।

इससे भारत की चुनौतियां बढ़ गई थीं। अब यह स्पष्ट नहीं है कि भारत सरकार ने कैसे पश्चिमी देशों को पलक झपकाने और अपने घोषित रुख से पीछे हटने के लिए राजी किया। लेकिन ऐसा वास्तव में हुआ। बल्कि घोषणापत्र में रूस और चीन की इस राय को भी शामिल किया गया कि जी-20 वास्तव में आर्थिक मुद्दों पर बना मंच है, जिसमें भू-राजनीतिक मसले शामिल नहीं किए जाने चाहिए। पश्चिमी देश क्यों पीछे हटे, इस पर अभी कई दिन तक कयास लगाए जाते रहेंगे- लेकिन इसे इस बात संकेत अवश्य माना जा सकता है कि दुनिया पर से अपने फिसलते वर्चस्व और गिरती ताकत से वे परिचित हैं। ऐसे में भारत जैसे भू-राजनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण देश की उपयोगिता उनकी निगाह में बहुत बढ़ी हुई है। इस कारण भारतीय कूटनीति के तकाजों को नजरअंदाज करना उन्हें अपने माफिक नहीं लगा। इससे भारत की प्रतिष्ठा बच गई। इसके बावजूद खेमों में बंटती दुनिया के बीच जी-20 कितना प्रासंगिक रह गया है, इस सवाल का कोई जवाब नहीं मिला है।

मोदी आए और बॉय कर गए !

जी20 डायरी-3 : जी-20 के मीडिया मंडपम मेंरविवार को लंच के बाद अचानक चहल-पहल बढ़ी। एक के बाद एक प्रेस कांफ्रेंस होने लगी। पीक समय तब आया जब मंडपम में एसपीजी और एनएसजी के लोग और खोजी कुत्ते दिखलाई दिए। लगा शायद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वहां आने वाले हैं। करीब पांच बजे बताया गया कि प्रधानमंत्री वहां आएंगे। और जितने भीपत्रकार मौजूद थे वे उनके इंतजार में बेरीकेडों के पीछे भीड़ बनाकर खड़े हो गए। सात बजे तक इंतजार था। प्रेस वाले बोर हो चुके थे और थके हुए थे बावजूद इसके सभी उम्मीद में थे कि वे आएंगे तथा फोटो खींचने और उनसे कुछ प्रश्न करने का मौका मिलेगा।दो घंटे की इंतजारी के बाद प्रधानमंत्री आए, पत्रकारों की ओर हाथ हिलाते हुए चक्कर लगाया।कोई पांच मिनट। अचानक एक औरसे नारे सुनाई दिए मोदी,मोदी और जयश्री राम! और प्रधानमंत्री मीडिया मंडपम से बाहर निकल गए।

जबकि तमाम पत्रकार उम्मीद में थे कि प्रधानमंत्री फोटो खींचवाएंगे, वैसे ही प्रेस कांफ्रेस करेंगे जैसे लंच के बाद एक-एक कर विश्व नेताओं ने आ कर की। मैं दिन के अनुभव में यह सोचते हुएप्रभावित थी कि कैसे कई राष्ट्राध्यक्ष और शीर्ष व्यक्तित्व छोटी गोल्फ गाड़ी से एकदम आम आदमी की तरह मीडिया मंडपम में पहुंचे। और फिर बेधडक प्रेस कान्फ्रेंस को संबोधित किया। पत्रकारों के प्रश्नों के उत्तर दिए।

सचमुच दोपहर बाद हम मीडियाकर्मी एकदम व्यस्त हो गए। इस डायरी की लेखिका यों आधा दिन गुजरने के बाद वहां पहुंची परंतु तब भी देर नहीं हुई थी। राजघाट में बापू को श्रद्धांजलि की रस्म अदायगी हो चुकी थी। बीस्ट और अमेरिका के राष्टपति दिल्ली छोड़ चुके थे। शहर के नागरिकों पर लगाए गए कड़े प्रतिबंधों में ढील दी जाने लगी थी। भारत ने जी-20 का नेतृत्व औपचारिक रूप से ब्राजील को सौंप दिया था।

जब मैं मीडिया मंडपम में पहुंची तब तक काफी बड़ी संख्या में पत्रकार जा चुके थे और बाकी भी जाने की तैयारी कर रहे थे। अधिकांश के लिए अमेरिका के राष्टपति की विदाई का मतलब था समाचारों के स्त्रोत का सूख जाना। उनके लिए अब इस आयोजन में कुछ खास करने को बचा नहीं था। आज लाल कालीन भारत मंडपम को अंतर्राष्ट्रीय मीडिया सेंटर से जोड़ रहा था।तभी फ्रांस के राष्टपति से लेकर इटली की प्रधानमंत्री तक और उनसे लेकर विश्व बैंक के मुखिया तक प्रेस की बातचीत होती हुई थी। विदेशी नेताओं की फोटो खींची जा रही थी और प्रेस उनके कहे एक-एक शब्द को ध्यान से सुन रही थी। आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ और जर्मन चासंलर ओलाफ शुल्ट्ज ने सम्मेलन के दूसरे दिन ही प्रेस कान्फ्रेस संबोधित कर दी थी। इसके बाद भी तीसरे दिन की दोपहर में प्रेस वार्ताओं की बहार थी।

प्रधानमंत्री मोदी के साथ लंच के बाद फ्रांस के राष्टपति इमैनुएल मैक्रों अपने सुरक्षा कर्मियों और मंत्रियों के साथ मीडिया मंडपम में पहुंचे। उनकी प्रेस कान्फ्रेंस कुछ अपवादों को छोड़कर केवल फ्रेंच प्रेस तक सीमित थी। उनकी प्रेस कान्फ्रेंस का सार यह था कि जी-20 घोषणापत्र रूस के लिए कूटनीतिक जीत नहीं है और ऐसा लगता है कि इस सम्मेलन में रूस अलग-थलग पड़ गया। उन्होंने कहा कि जी-20 की स्थापना अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक मुद्दों को सुलझाने के लिए की गई थी और इसलिए यह आवश्यक नहीं है कि वहां यूक्रेन में चल रहे युद्ध के मामले में कोई कूटनीतिक प्रगति हो। मैक्रों पत्रकारों से बात कर ही रहे थे कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो एक गोल्फ कार्ट में मीडिया मंडपम में पहुंच। उनके साथ बहुत कम सुरक्षाकर्मी थे।

-श्रुति व्यास-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

जी-20:इतिहास रचा या गर्व लायक कुछ नहीं?

राजधानी दिल्ली का ताला खुलेगा। सवा तीन करोड़ लोग घरों से बाहर निकल वापिस अपने काम-धंधे तथा रोजमर्रा के ढर्रे में लौटेंगे। सोचें, घरों में बैठे लोगों ने जी-20 का क्या अर्थ निकाला होगा? चार-पांच दिन की बरबादी से दिल्ली के नागरिकों याकि भारत के 140 करोड़ लोगों को क्या हासिल हुआ? जवाब हमारी तासीर, उसके इलहाम व ख्याल हैं। पहली बात नरेंद्र मोदी का चेहरा! दूसरी बात रंग-बिरंगे, शाही वैभव की झांकियां। तीसरी बात अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, जापान जैसे शक्तिशाली देशों के राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों से नरेंद्र मोदी की चमकी दुकान की तस्वीरें हैं। चौथी बात, टीवी चैनलों, भाषणों से वसुधैव कुटुम्बकम, वन अर्थ-वन फैमिली-वन फ्यूचर, से पश्चिम एशिया से यूरोप तक रेल और शिपिंग कॉरिडोर, समावेशी, निर्णायक और महत्वाकांक्षी अध्यक्षता जैसे सुने गए बड़े-बड़े जुमले हैं! पांचवी और आखिरी बात 'नई दिल्ली की लीडरशीप घोषित हुई' इतिहास रचा गया जैसे वाक्य हैं, जिन्हें बोल कर प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री का अपने हाथों अपनी पीठ थपथपाना है। मतलब भारत विश्व नेता, विश्व गुरू, विश्व शक्ति!

मेरे घर की काम मददगार और कूड़ा उठाने वाले ने मेरी पत्नी से पूछा यह जी-20 है क्या जो पुलिस वाले रोक रहे हैं, सब बंद कर दिया है। इससे होगा क्या? हमें क्या मिलेगा? कह सकते हैं हमारा गौरव बढ़ा! प्रधानमंत्री को मई 2024 के चुनाव तक यह तराना गाना चाहिए कि साला मैं तो विश्व नेता बन गया। हम दुनिया के गुरू हो गए। निश्चित ही ऐसे असंख्य भक्त भारतीय हैं, जिन्होंने टीवी चैनलों के आगे बैठ क्षण-प्रतिक्षण यह सोचा कि मोदी तो भगवान हैं तभी तो यह मुमकिन हुआ। अब हम भारतीय तीन-चार साल में चीन को पछाड़ देंगे। तीसरा वर्ग उन लोगों का है जो जी-20 से इवेंट मैनेजर की मोदी काबलियत के मुरीद हैं। उन्हें मालूम है इवेंट के चुनावी मकसद।

लब्बोलुआब यह कि अंतरराष्ट्रीय रिश्तों, भू-राजनीति, कूटनीति, वैश्विक आर्थिकी और सबसे बड़ी बात भारत की सुरक्षा के संदर्भों में बिरले ही भारतीय होंगे जो रियलिटी, रियलिज्म में जी-20 के नतीजे को तौलते हुए हों। देश की सुरक्षा, समृद्धि, दुनिया में पहचान और रिश्तों के ओर-छोर में जी-20 की मेजबानी को जांचें।

सब मानेंगे नरेंद्र मोदी का यह कहा कि इतिहास रच गया या विदेश मंत्री जयशंकर का यह जुमला की नई दिल्ली की लीडरशीप घोषित हुई! बेसिक सवाल है क्या दुनिया ने इसे माना? खास कर उस जी-20 समूह में भारत का क्या मान-सम्मान बना, जिसके नेताओं की लल्लोचप्पो में प्रधानमंत्री मोदी पिछले नौ वर्षो से दुनिया घूमते हुए हैं। इस सत्य को गांठ बांधे कि जी-20 समूह अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, जापान, इटली याकि दुनिया के सर्वाधिक अमीर सात देशों के जी-7 का बनाया समूह है। पिछले नौ सालों में नरेंद्र मोदी ने डोनाल्ड ट्रम्प और जो बाइडेन के साथ बैठ कर और अमेरिका में अपना अभिनंदन करवा कर अपने को सर्वाधिक गौरवान्वित, मुदित दिखलाया है तो ऐसा इसलिए कि पश्चिम में ही हमें सुकून मिलता है। मोदी जानते हैं कि भारत के लोगों, गुजरातियों और नौजवान आबादी की तासीर में अमेरिका-यूरोप याकि पश्चिमी सभ्यता का क्रेज नंबर एक पर है। इसमें सबके अलग-अलग कारण हैं। बतौर वैचारिक तथा भारत जरूरत में, मैं स्वंय अपनी पढ़ाई व समझ तथा 1976 में पत्रकारिता के आरंभ में मानवाधिकारों, मानव गरिमा, अवसर व विकल्पों-विचारों की भिन्नता, सुलभता में शीतयुद्ध के अनुभवों से एक राय बनाए हुए हूं। मेरा निष्कर्ष है मानवता का भला पश्चिम से है। भारत का हित पश्चिम से है। तभी मैं नेहरू-इंदिरा-कांग्रेस के निर्गुट फलसफे का आलोचक रहा हूं। मेरा मानना है कि रिश्तों की नैसर्गिकता, ऐतिहासिकता में न चीन भरोसे लायक है और न पाकिस्तान। तानाशाह देश, साम्यवादी विचारधारा, कबीलाई-गंवार इस्लामी देश तथा अहंकारी चाइनीज सभ्यता से हम भारतीयों ने यदि भाईचारे की गलतफहमी पाली तो धोखा खाएंगे। और मोटा-मोटी मेरा यह सोचा व लिखा वक्त की कसौटी पर सही साबित हुआ है।

मैं पीवी नरसिंह राव, वाजपेयी, डॉ. मनमोहन सिंह से लेकर नरेंद्र मोदी के पश्चिमी रूझान का समर्थक रहा हूं। मेरा मानना था, है और रहेगा कि 9/11, अफगानिस्तान, यूक्रेन पर रूस के हमले और शी जिनफिंग के विस्तारवादी मंसूबों की घटना-दर-घटना से प्रमाणित होता हुआ है कि यदि भारत ने अमेरिका-पश्चिमी सभ्यता से कदमताल में वैश्विक राजनीति नहीं की तो न इधर के रहेंगे और न उधर के। चीन ने भारत को पहले खाया है और भी खाएगा। चीन के लिए ताइवान या वियतनाम की तुलना में भारत का अक्साई चिन व अरूणाचल प्रदेश कई गुना अधिक सॉफ्ट टारगेट है। पिछले बीस सालों में चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी, शी जिनफिंग ने भारत को आर्थिक तौर पर आश्रित बनाया है, उसकी पड़ोसी देशों में तूती घटाई है, भारत की घेरेबंदी की है तो वक्त चेताता हुआ है कि चीन के आगे सुरक्षा, समर्थन अमेरिका और पश्चिमी देशों से ही है। इसलिए भारत को पश्चिम से प्रगाढ़ सामरिक-राजनीतिक-सैनिक रिश्ते बनाने चाहिए। उनकी भावनाओं और संवेदनाओं की चिंता करनी चाहिए।

उधर अमेरिका और पश्चिम को भी भारत की इसलिए जरूरत है क्योंकि उसे भी चीन से खतरा है। पश्चिम ने नादानी में चीन को बेइंतहां दूध पिला कर उसे ऐसा भस्मासुर बनाया है कि वह अब दुनिया के लिए खतरा है। चीन रियल महाशक्ति है और वह अपनी धुरी पर नई वैश्विक व्यवस्था चाहता है। उसके आगे भारत पचास साल कोशिश कर ले तब भी वह बराबरी नहीं पा सकेगा। दोनों देशों की इकोनॉमी का अंतर तीन-चार खरब डॉलर बनाम 15 खरब डॉलर का है। नरेंद्र मोदी अमृतकाल, विकसित भारत का कितना ही झूठ बनाएं भारत यदि दुनिया के ग्लोबल साउथ याकि गरीब-कंगले-विकासशील (इनमें बड़ी तादाद में कर्ज ले कर चीन के बंधक बने देश) देशों की जमात में अपनी कमान का ख्याल बनाता है तो वह गंवार निर्गुट नीति की वापसी होगी। जैसे पंडित नेहरू सत्तर साल पहले निर्गुट आंदोलन के नाम पर दुनिया के नेतृत्वकर्ता होने के गुमान में थे और हिंदी-चीनी भाई-भाई की हवाबाजी में कथित इतिहास बनाते थे वही फिर होता हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 9-10 सितंबर को क्या कूटनीति की? जी-20 के 16 देशों (जो रूस के यूक्रेन के हमले के निंदक) को मनाया कि वे यूक्रेन पर हमले में रूस की आलोचना का स्टैंड छोड़ें ताकि रूस व चीन को पटा कर दिल्ली घोषणापत्र बन सकें। ऐसा क्यों चाहा ताकि भारत की दुकान चले। जिसे असंभव माना जा रहा था वह संभव हो जाए। नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता की वाह होगी! पर क्या वाह हुई? हां, रूस के विदेश मंत्री ने भारत की वाह की। चीन ने वैसी प्रतिक्रिया नहीं दी क्योंकि शी जिनफिंग ने दिल्ली नहीं आ कर पहले ही बता रखा था कि वह भारत की अध्यक्षता को क्या भाव देते हैं। बावजूद इसके विदेश मंत्री का ऐलान कि नई दिल्ली की लीडरशीप घोषित हुई! जाहिर है नेहरू से नरेंद्र मोदी तक का यह भारत सत्य है कि हम हिंदुओं की तासीर मुंगेलीलाल के सपनों की है। जी-7 याकि पश्चिमी देशों ने बहुत सोच समझ कर (भले पीछे स्वार्थ हो) भारत को, नरेंद्र मोदी को जी-20 की अध्यक्षता का दायित्व दिया। और नतीजे में नरेंद्र मोदी मानते हैं कि इतिहास रचा गया तो दूसरी तरफ अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस सहित दुनिया के प्रबुद्ध तथा मीडिया (रायटर, बीबीसी, अल जजीरा, गार्डियन, डीडब्ल्यू एबीसी, सीएनबीसी आदि लगभग सभी की रिपोर्टो-टिप्पणियों में) इस सत्य को पकड़े हुए है कि संयुक्त घोषणापत्र बिना रूस के उल्लेख के जारी हुआ। मतलब यूरोप-अमेरिका-जी-7 देशों के घर-घर की दुखती नस के प्रतीक यूक्रेन पर हमले की निंदा दिल्ली में नहीं हुई। तभी यूक्रेन ने तुरंत यूरोपीय संघ-अमेरिका की इस प्रतिनिधि प्रतिक्रिया को व्यक्त किया कि दिल्ली घोषणापत्र में गर्व लायक कुछ नहीं है। मतलब बेकार, अप्रभावी, कूड़ेदानी में फेंकने लायक घोषणापत्र।

दिल्ली घोषणापत्र के कंट्रास्ट में बाली घोषणापत्र याकि इंडोनेशिया की वाह है, जबकि भारत के विदेश मंत्री का घमंड में यह तुक्का है कि बाली, बाली है और नई दिल्ली,नई दिल्ली।

सोचें, जिस जी-20 याकि पश्चिमी देशों के समूह की तूताड़ी प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में घर-घर में बनवाई, देश भर में प्रोपेगेंडा और बैठकें हुई उसका निर्माता पश्चिमी जनमानस दिल्ली घोषणापत्र को धिक्कारता हुआ है और निराश है। तभी वैश्विक (चीन-रूस विरोधी पश्चिमी समूह) थिंकटैंक व जी-20 की कोर राजधानियों का नैरेटिव यह बना है कि भारत ऐसा ही है। अमेरिका के नंबर एक अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स में रिपोर्ट थी कि शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति बाइडेन भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपने रिश्तों को सहज बनाने, दिखलाने में अधिकांश समय चुपचाप रहे। बाइडेन के एयरफोर्स वन में आए पत्रकारों ने, अधिकारियों का कुल मिलाकर दिल्ली में समय काटना था। पत्रकारों का ज्यादा समय इस शिकायत में गुजरा कि हमें फ्री एक्सेस क्यों नहीं है? ऐसे शिखर सम्मेलन का क्या अर्थ है? पश्चिमी मीडिया की रिपोर्टो का सार है कि उनके नेताओं ने घोषणापत्र वह बनने दिया जो वे (मोदी) चाहते थे। मेजबान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में राष्ट्रपति बाइडेन ने लोकतंत्र के मुद्दों को हवा नहीं दी। घोषणापत्र से यूक्रेन पर रूसी आक्रामकता की आलोचना को हटा दिया गया। बाइडेन दिल्ली आए, सीधे नरेंद्र मोदी के घर गए और उसके बाद पश्चिमी समूह ने चुपचाप वह होने दिया, जिससे नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक दुकान चमके। आखिर पश्चिमी देश यदि अड़ते तो बिना रूस की आलोचना के घोषणापत्र बनता ही नहीं। तब भारत की किरकिरी होती। कथित ग्लोबल साउथ, चीन और रूस सबमें भारत व नरेंद्र मोदी का जीरो मतलब होता। जबकि भारत का चीन के आगे रूतबा और मान बने यह तो पश्चिमी देशों की अब प्राथमिक जरूरत है। इस बात को देशी और खुद प्रधानमंत्री मोदी के उदाहरण से समझें कि जैसे दिल्ली में बड़े-बड़े मीडिया समूह कथित थिंक इंडिया की फाइव स्टार गोष्ठियां करते हैं और बतौर मिसाल 'इंडिया टुडे' की उस गोष्ठी को याद करें, जिसमें अरूण पुरी विनती करते हैं कि मोदीजी हमारी दुकान चला दीजिए तो मोदी उन पर कृपा कर, यह कहते हुए कि चलो मैं आज दुकान चला देता हूं गोष्ठी को हिट बनवा देते हैं वैसा ही बाइडेन ने होने दिया।

बाइडेन से मोदीजी ने गुजारिश की होगी और उन्होंने मौन रह कर, सबको कह कर भारत के साझा घोषणापत्र को ओके कराया, जिस पर जयशंकर का हुंकारा था-नई दिल्ली की लीडरशीप घोषित हुई! कह सकते हैं क्या फर्क पड़ता है। भारत की दुकान तो चल गई। रूस व चीन भी खुश।

पर हिसाब से जिस जी-20 से भारत ने चीन के मुकाबले के लिए सामरिक-सैनिक-रणनीतिक गठजोड़ का प्लान बनाया है मोदी सरकार का सामरिक, भू-राजनीतिक ताना-बाना है वह क्या ऐसी कूटनीति से फलीभूत होगा? आप यूरोप व अमेरिका के सगे न बने और वह चीन के मुकाबले में आपका सगा बने ऐसा क्या संभव है? ताली दो हाथ से बजती है या एक हाथ से?

यदि जी-20 फालतू है। उससे लंबा फायदा नहीं है तब भला सरकार ने जी-20 का देश भर में हल्ला क्यों बनाया? दिल्ली को लॉकडाउन में क्यों रखा? रिकार्ड तोड़ इतना ऐसा खर्च कैसे जो छह साल पहले जर्मनी के आयोजन से सात सौ प्रतिशत अधिक बताया जा रहा है? क्यों तब चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के मुकाबले अमेरिका के साथ भारत से पश्चिम एशिया से यूरोप तक रेल और शिपिंग कॉरिडोर की योजना का ऐलान हुआ? पूरे साल पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका केंद्रित जी-20 की मेजबानी को भारत का अहोभाग्य बताया तो अंत परिणाम में ऐसा कैसे जो अमेरिका-यूरोप में दिल्ली घोषणापत्र निरर्थक करार है? यूरोप में यह मानना कि यूक्रेन की बजाय रूस की चिंता में भारत ने घोषणापत्र बनाया। वही अमेरिका में यह धारणा है कि भारत है ही ऐसा! वह लफ्फाजी पसंद है, उसे अपनी खुद की सुरक्षा, हितों का भी ख्याल नहीं होता।

सोचें, दिल्ली घोषणापत्र में रूस की विस्तारवादी आक्रामकता की भर्त्सना या आलोचना नहीं होने दे कर भारत ने चीन को क्या मैसेज दिया है? दुनिया को क्या बताया है? इसी के साथ कल्पना करें कि चीन ने यदि अक्साई चिन व अरूणाचल में अपनी सेना घुसाई तो भारत तब दुनिया से, अमेरिका या यूरोप से चीन की आलोचना व निंदा चाहेगा या नहीं? अगले वर्ष जब जी-20 की शिखर वार्ता होगी और उससे पहले चीन ने भारत की सीमा पर आक्रामकता दिखाई तो जी-20 के नए अध्यक्ष ब्राजील के राष्ट्रपति लूला ने यदि चीन से अपने खास संबंधों में भारत के चाहने के बावजूद रियो घोषणापत्र में चीन की आक्रामकता का जिक्र नहीं होने दिया तो भारत के लिए बैठक कैसी निरर्थक होगी? भारत क्या तब यह आलोचना करते हुए नहीं होगा कि रियो घोषणापत्र में क्या है गौरव लायक! भारत अकेला अलग-थलग तब बेगानी शादी में अब्दुल्ला दिवाना नहीं होगा?

सवाल है क्यों ऐसा सोचें? इसलिए क्योंकि विश्व राजनीति सचमुच रियलिज्म, यथार्थवाद की निर्ममता में है। जबकि भारत की त्रासदी है जो पहले दिन से संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर मुद्दे को ले जाने से ले कर जी-20 बैठक के ऐतिहासिक मौके पर हवाबाजी, जुमलेबाजी से गलतियां करते हुए है। अवसर गंवाता है। इतिहास रचने की कपोल कल्पनाएं करता है। हम न यथार्थवादी हैं और न आदर्शवादी आचरणकर्ता हैं। सबका साथ, समावेशी या वन अर्थ जैसे आदर्शों में फिर करनी में भी आचारण दिखलाना होता है। तभी पंडित नेहरू से आज तक की भारत विदेश नीति इलहामी, मुंगेरीलाल वाली और गंवार रही है। ख्यालों व छलावों में जीते हुए ऐसे जुमले बोलते रहो कि इतिहास रचा, विश्व नेता और विश्व गुरू हुए। ठीक कहा एक वैश्विक जानकार रिचर्ड एन हास ने कि शिखर बैठकों की संयुक्त घोषणाएं अक्सर मेजबान देश की तासीर में होती है, उसकी विशेषताओं को लेती हैं। लगता है मेजबान ने चीन या रूस का विरोध नहीं करने का फैसला किया। जबकि बाइडेन, पिछले राष्ट्रपतियों की तरह, भारत को करीब लाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, उन्हें सीमित सफलता मिल रही है, लेकिन यह रिश्ते की प्रकृति है। यह यहां केक में पकाया जाता है। क्या यह बात हम, भारत के लोग समझ सकते है?

-हरिशंकर व्यास-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

देश के भविष्य,नौनिहालों को कुपोषित होने से बचाएं

देश में बाल कुपोषण विकराल समस्या

बच्चे देश के भविष्य होते है यदि देश का भविष्य ही कुपोषित रहेगा, कमजोर रहेगा तो सशक्त राष्ट्र की कल्पना करना बेमानी होगाद्य देश में कुपोषण से बच्चे यानी आने वाले कल के जिम्मेदार नागरिकों की हालत बहुत ज्यादा चिंताजनक है सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश के 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में 35 लाख बच्चे कुपोषण के शिकार है और इनमें 50 प्रतिशत बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित होकर बीमारी को झेल रहे हैद्य देश में भले ही जोर शोर से बाल दिवस हर साल मनाया जाता है और उसी पर करोड़ों खर्च कर दिया जाता हैद्य देश में एक महिला तथा बाल विकास मंत्रालय अलग खोल के रखा गया है, पर बच्चों के कुपोषण पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका हैद्य ऐसी क्या वजह है की नौनिहालों के पोषण के लिए केंद्र या राज्य सरकार के पास इतने संसाधन होने के बावजूद धन मुहैया नहीं हो पाता हैद्य मलेरिया, टीबी और ना जाने अन्य कितनी बीमारियों पर भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अरबों रुपए खर्च कर दिए हैं, पर जो भारत की मुख्य रीढ़ की हड्डी है यानी कि आने वाले कल के नागरिक वर्तमान के बच्चे यदि कुपोषित हैं तो यह अत्यंत चिंतनीय सोचनीय तथा विचारणीय पहलू है। सरकारी एजेंसियों द्वारा एक आर,टी,आई के जवाब में बताया गया कि 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों संकलित आंकड़ों के मुताबिक 34 लाख बच्चे कुपोषित पाए गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा महाराष्ट्र बिहार गुजरात और मध्यप्रदेश है। विगत दिनों करोना संक्रमण के कारण भी बच्चे कुपोषित हुए हैं और आने वाले कल के दिन में भी और बच्चों के कुपोषण कथा मृत्यु की आशंका बढ़ गई है। सरकारी आंकड़ों के हिसाब से 18 लाख बच्चे बहुत ज्यादा कुपोषित है एवं शेष 16लाख बच्चे अल्प कुपोषित हैं। जब अरबों रुपए अन्य बीमारियों के संक्रमण में लगाए जा सकते हैं तो एक अभियान के तहत बच्चों के

कुपोषण को दूर करने के लिए भी मैराथन प्रयास किए जाने चाहिए ।जिससे बच्चे तो कम से कम कुपोषित ना हो वैसे भारत कुपोषण के मामले में वैश्विक स्तर पर बांग्लादेश तथा पाकिस्तान से भी पीछे है उसका नंबर 101वां है, ऐसे हालात में महिला तथा बाल विकास को महिलाओं तथा बच्चों के लिए ही एक विशेष अभियान चलाकर उन्हें कुपोषित होने से बचाना होगा। पोषण ट्रैकर के हवाले से बताया गया कि सिर्फ महाराष्ट्र में ही कुपोषित बच्चों की संख्या छह लाख दर्ज की गई है जिनमें 1,57 लाख बच्चे अल्प कुपोषित तथा 4,58 लाख बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं। दूसरे नंबर पर बिहार प्रदेश आता है जहां 5 लाख कुपोषित बच्चे और तीसरे नंबर पर गुजरात प्रदेश होता है जहां 3:30 लाख बच्चे कुपोषित हैं। महाराष्ट्र बिहार गुजरात और मध्य प्रदेश बहुत सक्षम और देश के बड़े राज्य हैं, यहां पर स्वास्थ्य विभाग पर अरबों रुपए खर्च किए जाते हैं, फिर ऐसी क्या वजह है कि बच्चों के कुपोषण की दर इतनी ज्यादा तथा चिंताजनक हो गई है। कुपोषित बच्चे भी बड़े होते हैं तो वह कई बीमारियों को लेकर धीरे-धीरे बढ़ते हैं और इससे उनकी लंबाई तथा स्वास्थ्य पर बहुत ज्यादा असर पड़ता है देश के 34 प्रतिशत कुपोषित बच्चों का कद औसत कद से बहुत कम हो जाता है। 21प्रतिशत बच्चे जो कुपोषण के कारण यदि वह बच भी जाते हैं तो उनका वजन अत्यंत कम हो जाता है।

ऐसे कम लंबाई तथा कम वजन के बेचारे बच्चे देश का क्या भविष्य बना पाएंगे या देश में अपना योगदान क्या दे पाएंगे। इसीलिए भारत सरकार राज्य सरकारों को कम से कम बच्चों की तरफ तो ज्यादा से ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता होगी। वैश्विक भूख सूचकांक(ग्लोबल हंगर इंडेक्स) के आंकड़ों के हिसाब से 2021 में भारत 116 देशों में 101 वें स्थान पर पहुंच गया है इस मामले में वह अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल से काफी पीछे है। इस मामले में भारत 2020 में ग्लोबल हंगर इंडेक्स के अनुसार 94 वें स्थान में था, और आज की स्थिति में 101 वे स्थान में पहुंच गया है। इसका सीधा सीधा मतलब है कि हर वर्ष कुपोषण से शिकार बच्चों की संख्या बेतहाशा बढ़ रही है। कुपोषण के मामले में भारत की राजधानी दिल्ली भी पीछे नहीं है दिल्ली प्रदेश की स्थिति भी चिंताजनक है अधिकारी और मंत्री भले बड़े-बड़े दावे करने में पीछे नहीं हटते हैं पर बच्चों की स्थिति चिंताजनक है,दिल्ली में ही 2लाख बच्चे कुपोषित हैं, आंध्र प्रदेश में 2,70लाख बच्चे कुपोषित हैं, कर्नाटक में 2,5 लाख बच्चे उत्तर प्रदेश में 19लाख बच्चे,तमिलनाडु में 1,80 लाख ,असम में 1,80लाख और तेलंगाना में 1,60 लाख बच्चे कुपोषण की स्थिति में जी रहे हैं। इस देश में जहां अरबों रुपए सरकार के 40 से ज्यादा विभागों में सालाना खर्च किए जा रहे हैं, तो यह स्वास्थ्य विभाग में विशेष तौर पर बच्चों के लिए खर्च करने रिसर्च करने और उन पर विशेष ध्यान देने में कोताही क्यों बरती जा रही है। यह तथ्य न सिर्फ चिंतनीय है बल्कि स्वास्थ विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी महिला तथा बालकों के विकास के लिए विशेष अभियान चलाकर उनके स्वास्थ्य की रक्षा हेतु निर्देशित किया है। वैश्विक आंकड़े भी यही बताते हैं कि बच्चों को जो कि किसी भी देश का भविष्य होते हैं कुपोषण से हर तरह से सुरक्षित किया जाना सुनिश्चित करना होगा ,अन्यथा ये कुपोषित बच्चे ही आगे चलकर देश के नागरिक नागरिक बनेंगे। ऐसे में आप स्थिति की कल्पना कर सकते हैं देश की विशाल जनसंख्या को देखते हुए बच्चों के कुपोषण की दर जरूर कम है, लेकिन हर साल इनके कुपोषण की दर की वृद्धि चिंताजनक परिणाम देने वाली ना हो इस पर हम सबको ध्यान देना होगा।

संजीव ठाकुर,
चौबे कालोनी
रायपुर
छत्तीसगढ़

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

अब अदालतें भी चिन्तित हैं
माता-पिता की उपेक्षाओं पर

नये बन रहे समाज एवं पारिवारिक संरचना में माता-पिता का जीवन एक त्रासदी एवं समस्याओं का पहाड़ बनता जा रहा है, समाज में बच्चों के द्वारा बुजुर्ग माता-पिता की उपेक्षाओं एवं उनके प्रति बरती जा रही उदासीनता इतनी अधिक बढ़ गयी है कि अदालतों को दखल देना पड़ रहा है। माता-पिता भोजन-पानी, दवाई, जरूरत की चीजों से महरूम ही नहीं हो रहे हैं बल्कि उनके सम्मान की स्थितियां भी नगण्य होती जा रही है। वृद्ध माता-पिता की यह दुर्दशा एक विकराल समस्या के रूप में उभर रही है। सुविधावाद, भौतिकता एवं धन के बढ़ते वर्चस्व के बीच माता-पिता अपने ही बच्चों की प्रताड़ना के शिकार है। ऐसी बढ़ती समस्याओं पर नियंत्रण के लिये अदालतों को न सिर्फ दखल देना पड़ रहा है बल्कि बच्चों को पाबंद करना पड़ रहा है कि वे अपने बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल करें और उनको सम्मान दें। मद्रास उच्च न्यायालय का ऐसा ही एक फैसला आज के समाज में खून के रिश्तों पर सवाल खड़ा करने वाला है। न्यायालय ने अपने फैसले में साफ किया है कि बुजुर्ग अभिभावकों की इच्छा पूरी करना बच्चों का दायित्व है। न्यायालय का यह फैसला सिर्फ किसी बच्चे और अभिभावकों के बीच संपत्ति विवाद तक सीमित नहीं है। इसे व्यापक अर्थो में देखने और समझने की जरूरत है। संवेदनशील मानसिकता के निर्माण से समाज का माहौल बदल सकता है। अदालत चाहती है कि वृद्ध माता-पिता को उदासीनता एवं उपेक्षा से मुक्ति देकर उन्हें सुरक्षा कवच मानने की सोच को विकसित किया जाये ताकि एक आदर्श परिवार की संरचना को जीवंत किया जा सके एवं वृद्धों के स्वास्थ्य, निष्कंटक एवं कुंठारहित जीवन को प्रबंधित किया जा सकता है। वृद्धों को बंधन नहीं, आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा को अदालत ने उजागर कर समाज को जागृत करने का सराहनीय काम किया है। ऐसा युग जहां रिश्तों की जगह धन हावी होता जा रहा है। इसी कारण वृद्धों को लेकर

गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, ये समस्याएं अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण खड़ी हुई हैं। चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके, इसी बात पर अदालत ने अपने फैसले में बल दिया है। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्ध माता-पिता के जीवन को दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है।

-ललित गर्ग-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

सत्ताधारी और रेबड़ियाँ

सत्ता के लोभी भरे देश दरबार में।
गर्त में डूबा रहे जो असीम अपार में।
रिश्वत दलाली खामियों की भरमार है
पाँच-पाँच बरस लूटते अपरंपार है।
न देश दिखता,न जनता का हित है
सुख ऐश्वर्य संसाधन को बनाते मीत है।।
अंत घड़ी में सोंचते जन बीमार है
थोड़ी कृपा कर दो जिन पर लाचार है।
फिर लोभ-लुभावने शुरू हो जाते
फंसाने के तरकीब भयंकर बुने जाते
देश-प्रदेश को कर्ज में डूबा-डूबाकर
बेफिजूल पैसे बाँटने की प्रथा चलाते।।
सत्ता में रहकर न कोई काम करते।
पूरे पंचवर्षीय भर आराम करते।
जब सिंहासन डगमगाने लगते तो
रंग-रंग के योजना अविराम निकलते।।
ज्यों शुचिता से सत्ताधारी करते काम।
जनहित को धर्म मानते,न होते बदनाम।
न कहीं रेबड़ियाँ बँटती,न कुर्सी जाती
गरीबी महँगाई बेकारी पर लगते लगाम।।

चन्द्रकांत खुंटे 'क्रांति'
जांजगीर-चांपा
(छत्तीसगढ़)

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

तीजा (हरितालिका)

आज परब हे खास जी,
तीजा तीज तिहार ।
आथे मइके मा बहिन,
पाथे मया दुलार ।।
भादो महिना आय जी,
पुरखौती ये रीत ।
सबो सुहागिन मन सदा,
गावँय सुमधुर गीत ।।
रखथें जी उपवास ला,
पति के सेवा जान ।
पावन हे तीजा परब,
मिले सुघर वरदान ।।
आस लगाके व्रत करैं,
करू करेला खाँय ।
जप पूजा अउ ध्यान ले,
मुँह माँगे वर पाँय ।।
पहिरे लुगरा पोलका,
टिकली चमके माथ ।
चूरी कंगन हे सुघर,
लगे महेंदी हाथ ।।
घर-घर मा खुरमी बरा,
सुघर बने हे आज ।
शिव भोला के जाप ले,
पूरन होवय काज ।।

मुकेश उइके मयारू
चेपा,पाली,कोरबा
छत्तीसगढ़

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

एक सप्ताह के अंदर दूसरी बार ग्रामीण महिला से लूट का मामला, जांच में जुटी पुलिस

- संवाददाता -
लखनपुर, 12 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

लखनपुर नगर के भीड़ भाड़ वाले इलाके गुजरी बाजार के पास छुट्टे पैसे मांगने को लेकर ग्रामीण महिला के साथ लुट की घटना सामने आई है।

वहीं गौरतलब बात यह है की 1 सप्ताह के भीतर यह दूसरी घटना सामने आई है जो आज जन चर्चा का विषय बना हुआ है ।

व्यापारियों की सूचना के उपरांत पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुटी हुई है और कई जगह का सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। वही पीछले 7 सितंबर को अंधला निवासि ग्रामीण वृद्ध महिला से छुट्टा पैसे मांगने को लेकर दो हज़ार की लूट हुई थी। तो वही 12 सितंबर दिन मंगलवार को इसी स्थान पर अमदला निवासी ग्रामीण वृद्ध महिला के साथ 2 हज़ार की लूट हुई है। एक हफ्ते के भीतर गुदरी बाजार के पास या दूसरी घटना हुई है। जो जन चर्चा का विषय बनी हुई है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक मानमती पति ननकी राम उम्र 60 वर्ष ग्राम अमदला निवासी जो सीमेंट छड़ खरीदी और इलाज कराने पांच हज़ार रूपये घर से लेकर ग्रामीण बैंक और पैसा निकालने पहुंची। पैसा नहीं होने के बाद ग्रामीण महीला पैदल गुदरी चौक हनुमान मंदिर के पास पहुंची इसी दौरान एक युवक मिला और उससे जान पहचान बढ़ाया इसी दौरान महिला ने युवक से बोला कि वह डॉक्टर के पास इलाज करने जा रही है।युवक ने भी कहा कि उसकी पत्नी अस्पताल में भर्ती है। इसके बाद दोनों वहां से एक साथ प्रतीक्षा बस स्टैंड की ओर आने लगे युवक ने उसे 2 हज़ार रूपये का छुट्टा पैसा मांगा जैसा ही वह महिला पैसा निकाली हाथ से पैसा लेकर युवक मौके से फरार हो गया। जिसके बाद ग्रामीण वृद्ध महिला ने इसकी जानकारी आसपास के व्यापारियों को दी। व्यापारियों ने तत्काल इसकी सूचना लखनपुर पुलिस को दी पुलिस पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

कैडेट्सों ने मतदाता जागरुकता रैली निकालकर किया जागरुक

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 12 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर के कैडेट्स द्वारा 11 सितंबर को मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। जिसमें जिला प्रशासन से स्वीप कार्यक्रम के पदाधिकारी भी सम्मिलित हुए और रैली के माध्यम से सभी लोगों को मतदान देने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही ऐसे छात्र या छात्राएं या अन्य शहरवासी जिन्होंने मतदाता पहचान पत्र नहीं बनवाया है और उनकी उम्र मतदान करने योग्य हो गई है तो ऐसे सभी लोगों के लिए मतदाता परिचय पत्र बनवाने की प्रक्रिया शुरू की गई रैली में पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ रिजवान उल्ला ने भी सहभागिता की और एनसीसी कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया।

फ्लैशमॉब,रैली एवं मानव श्रृंखला के माध्यम से विद्यालयीन छात्र-छात्राओं ने मतदाताओं को किया जागरूक

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 12 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुंदन कुमार के मार्गदर्शन में जिले में मतदाता जागरुकता कार्यक्रम चलाकर मतदान प्रतिशत बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से मतदान के प्रति जागरुकता फैलाने हेतु अनेक गतिविधियों का आयोजन की जा रही है। जिले के ऐसे मतदान केंद्र जहां गत विधानसभा निर्वाचन में 70 से कम मतदान प्रतिशत रहा है, उनके लिए पृथक से कार्ययोजना तैयार कर गतिविधियां चलाई जा रही हैं। स्वीप सरगुजा टीम के द्वारा मंगलवार को शहरी मतदाताओं को जागरूक करने हेतु सरस्वती शिशु मंदिर अंबिकापुर की प्राचार्या श्रीमती मीरा साहू एवं विवेकानंद विद्या निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल प्राचार्य श्री व्यास शर्मा के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं द्वारा स्टेट बैंक कलेक्टरेट ब्रांच के सामने फ्लैश मॉब का आयोजन किया गया तथा भावी मतदाताओं को मतदान हेतु शपथ दिलाया गया।

इसके साथ ही जिले के अन्य क्षेत्रों में भी मतदाता जागरूकता से सम्बंधित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। विकासखण्ड लखनपुर के लहपटरा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई और शत प्रतिशत मतदान हेतु लोगों को जागरूक किया गया।विकासखण्ड लुण्ड्रा उदारी हायर सेकेंडरी विद्यालय में मानव श्रृंखला एवं रैली निकाली गई, उपस्थित छात्र-छात्राओं को पालकों व आस पास के मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने की अपील की गई। वहीं हायर सेकेण्डरी स्कूल कुंदीकला में मतदाता जागरूकता आयोजित कर शत-प्रतिशत मतदान हेतु जागरूक किया गया।

विश्व साक्षरता दिवस पर शिक्षक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 12 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

पहचान कला एवं साहित्य समिति ने विश्व साक्षरता दिवस पर शिक्षक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन वीरेंद्र प्रभा होटल में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि ललिता श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि मीना शुक्ला सविता उपाध्यक्ष एवं गौरी शुक्ला के आतिथ्य में शुभारंभ किया गया। पुष्पा सिंह प्रेरणा ने अतिथियों का परिचय उनके उल्लेखनीय कार्यो के बारे में बताया। उन्हें मंच की सदस्यों ने बैच लगाकर, पुष्प गुच्छ ,स्मृति चिन्ह, पेन ,प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। मंच संचालक सुमन द्विवेदी ने कहा कि शिक्षिका ललिता श्रीवास्तव के साइंस विषय कठिन से कठिन पाठ का सरल तरीके से समझा कर सरल बना देती थी। मंच संचालिका तरुणा गर्ग एवं मनसा शुक्ला ने गुरु पर स्व रचित कविता कठिन राहो को सरल बनाया। आपने सत्य का बोध कराया है आपने, अंधकार भरे जीवन में प्रकाश फैलाया है। आपने, का वादन किया अपने उद्बोधन में ललिता ने कहा कि शिक्षक को सिर्फ परीक्षा पास करने के लिए नहीं पढ़ाना चाहिए बल्कि स्वयं शिक्षण अच्छे से ज्ञान प्राप्त कर बच्चों को पढ़ाई कराये। राज्यपाल पुरस्कृत सन 2006 की मीना शुक्ला ने कहा कि शिक्षण कार्य बहुत अच्छा कार्य है एवं आज भी मैं बालिका शिक्षा पर सदा सजक रहती हूं उनकी शिक्षा के लिए आर्थिक सहयोग का योगदान सदा आपको मिलता रहेगा गौरी शुक्ला ने रीडिंग कैंपेन से बच्चे की पढ़ाई रोचक हो जाती है एवं वह जल्दी सीख जाते हैं तथा जरूरतमंद बच्चों को अपने उन्हें उनके हिसाब से भी पढ़ाना और रोचक बनाना चाहिए।

मंच पर उपस्थित अतिथि से समिति की सदस्या शिक्षिका भावना सिंह ,नीतू यादव ,पुष्पा सिंह, मालतीशाक्य ,कंचन श्रीवास्तव ,अंजली माथुर मनसा शुक्ला एवं प्रेमलता गोयल का शिक्षा सम्मान से सम्मानित किया गया माधुरी दुबे,अनीता सिंह, सविता आईच ,गीता दुबे संतोष पांडे प्रिया गुप्ता ने राष्ट्रगान गाकर जय हिंद जय भारत घोष के के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

अंबिकापुर कला केंद्र मैदान में श्रीमद् भागवत कथा का 18 से भव्य आयोजन

» तैयारियों को लेकर मानहेरू परिवार जूटा,धर्म संदेश चैनलों में लाइव प्रसारण भी होगा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 12 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

18 सितंबर से अंबिकापुर के कला केंद्र मैदान में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव भव्य आयोजन किया गया है। जिसमें परम पूज्य रमेश भाई ओझा के श्रीमुख से प्रेम रसधारा की वर्षा होगी। यह पुनीत आयोजन मानहेरू परिवार द्वारा पितृ मोक्षार्थ गया श्राद्धत किया गया है। जिसकी भव्य तैयारी की जा रही है। भागवत कथा के आयोजक मानहेरू परिवार के सदस्यों ने बताया कि मां महामाया की नगरी अंबिकापुर में पितृ मोक्षार्थ श्राद्धत श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है यह कथा 18 से 24 सितंबर तक आयोजित है। जिसमें विशाल कलश यात्रा 18 सितंबर को राम मंदिर से प्रारंभ होकर कथा स्थल

तक पहुंचेगी। इसके पश्चात पूजन भागवत महात्म कार्यक्रम प्रारंभ होगा।

19 सितंबर को नारद संवाद एवं भीष्म चरित्र, 20 सितंबर को प्रहलाद चरित्र नरसिंह अवतार, 21 सितंबर को श्री कृष्ण जन्मोत्सव, 22 सितंबर को गोवर्धन पूजा, 23 सितंबर को रुकमणी विवाह, 24 सितंबर को सुदामा चरित्र की रसधारा होगी और हवन व विशाल भंडारे के साथ भागवत कथा का समापन होगा। भागवत कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक विख्यात कथावाचक रमेश भाई ओझा के मुखार बिंदु से वाचन किया जाएगा जिसका लोग श्रवण करेंगे। कथा की तैयारी को लेकर मानहेरू परिवार के सदस्य बृहद रूप से जुटे हुए हैं। कला केंद्र मैदान को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। भागवत कथा का लाइव प्रसारण धर्म संदेश चैनलों द्वारा प्रतिदिन 3 से 7.30 तक किया जाएगा जिसकी भी व्यवस्था की जा रही है। भागवत कथा में अधिक से अधिक लोगों को पहुंचकर पुण्य लाभ लेने की अपील की गई है।

स्कूल के मेन गेट में प्रवाहित होने लगा करंट, बच्चों को बचाते चपेट में आई शिक्षिका

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 12 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक प्राइमरी स्कूल के पीछे स्थित ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट के कारण मंगलवार की सुबह अचानक स्कूल के मेन गेट करंट प्रवाहित होने लगा। इस दौरान बच्चों को वहां से बाहर निकालने के दौरान शिक्षिका (प्रधानपाठिका) करंट की चपेट में आ गई। उसे शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार पश्चात छुट्टी दे दी गई। हादसे में बच्चे मामूली रूप से घायल हुए थे। हादसे के बाद स्कूल में छुट्टी कर दी गई।

गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रिखीमुड़ा के प्राइमरी स्कूल में हर दिन की तरह मंगलवार को भी बच्चे पढ़ाई कर रहे थे। सुबह करीब 11 बजे स्कूल के पीछे स्थित ट्रांसफार्मर में अचानक शॉर्ट-सर्किट होने लगा और तेज आवाज के साथ उसमें आग लग गई। आवाज सुनकर स्कूल की प्रधानपाठिका शैलजा शुक्ला सहित बच्चे बाहर निकलने लगे। शिक्षिका बच्चों को स्कूल से बाहर निकाल ही रही थी कि मेन गेट पर शिक्षिका का हाथ टच हो गया और वह करंट की चपेट में आकर झुलस गई। इस दौरान 2-3 बच्चे भी चपेट में आ गए। आनन-फानन में अन्य शिक्षकों की मदद से किसी तरह बच्चे स्कूल कैंपस से बाहर निकले। इसके बाद शिक्षिका को बगल में ही संचालित हाईस्कूल के प्राचार्य द्वारा निजी वाहन से तत्काल अंबिकापुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां प्राथमिक उपचार पश्चात उसे छुट्टी दे दी गई। जबकि बच्चों को करंट के हल्के झटके लगने से वे वहीं से घर चले गए।

युवती व महिला का एटीएम कार्ड बदलकर 97 हजार का आहरण

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 12 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

दो अलग-अलग मामले में युवती व महिला का एटीएम कार्ड बदलकर 97 हजार 6 सौ 93 रुपए अज्ञात व्यक्ति द्वारा आहरण कर लिया गया है। युवती का एटीएम कार्ड बदलकर 57 हजार 6 सौ 93 रुपए व महिला का कार्ड बदलकर 40 हजार रुपए आहरण कर लिया गया है। दोनों पीड़ितों ने गांधीनगर व कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार शीतल दास बतौली की रहने वाली है। वह अपनी मां के साथ अंबिकापुर स्थित गंगापुर में किराए के मकान में रहती है। इसकी मां का बतौली में एसबीआई बैंक का खाता है। शीतल 10 सितंबर की शाम 5.30 बजे लाइफलाइन अस्पताल के सामने रिंग रोड में महाराष्ट्र बैंक के एटीएम में रुपए निकालने गई थी। पहले 5 हजार रुपए निकाली। इसके बाद और रुपए निकाल रही थी। तभी बाहर खड़ा एक अज्ञात व्यक्ति वहां पहुंचा और युवती को कहा कि रिसिभ नंबर डालना पड़ेगा। तभी पैसा निकल पाएगा। तभी अज्ञात व्यक्ति युवती के हाथ से एसका एटीएम कार्ड ले लिया और मशीन में डालकर कुछ करने लगा। जिसके बाद स्क्रन पर बहुत सारी जानकारी दिखने लगी। युवती कुछ समझ पाती तभी युवक एटीएम कार्ड बदलकर उसे दूसरा दे दिया। युवती जब घर पहुंची तो मैसेज के माध्यम से पता चला की अलग-अलग किस्त में कुल 57 हजार 6 सौ 93 रुपए आहरण कर लिया गया है। युवती ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। वहीं रूपामनी बड़ा सीतापुर की रहने वाली है। वह अंबिकापुर स्थित भगवानपुर में किराए में रहकर घरेलू काम करती है। वह 10 सितंबर की शाम को 4 बजे गांधी चौक स्थित एसबीआई एटीएम में रुपए निकालने गई थी। तभी एक अज्ञात व्यक्ति आया और वह रुपए निकालने के लिए अपना एटीएम कार्ड डाला। कार्ड काम नहीं करने पर पास में खड़ी महिला को कहा कि आप अपना एटीएम कार्ड डालकर देखीए। इस महिला रुपए निकालने के लिए अपना कार्ड डाली। तभी प्रोसेसिंग के नाम पर इधर-उधर कर महिला का कार्ड बदल लिया और उसे दूसरा कार्ड दे दिया। महिला जब घर पहुंची तो उसके मोबाइल पर कुल 40 हजार रुपए आहरण किए जाने का मैसेज आया। जब वह एटीएम कार्ड अपना देखी तो बदला हुआ था। पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह ढिल्लो पदोन्नत होकर बने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

- संवाददाता -
सूरजपुर, 12 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिले के एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह ढिल्लो पदोन्नत होकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बन गए हैं। इस संबंध में प्रदेश के गृह विभाग की ओर से बीते दिन आदेश जारी कर अमोलक सिंह ढिल्लो सहित 19 अफसरों को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में पदोन्नति का आदेश जारी किया है। इसी क्रम में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई कल्याण एलिसेला व एएसपी शोभराज अग्रवाल द्वारा पदोन्नत हुए अमोलक सिंह ढिल्लो के कंधे पर अशोक स्तंभ लगाकर पदोन्नति की बधाई दी।

कलेक्टर एवं एसपी ने पॉलीटेक्निक कॉलेज में स्ट्रॉन्ग रूम, मतगणना कक्ष का किया निरीक्षण

» आवश्यक अधोसंरचना, सुरक्षा व्यवस्था हेतु दिए जरूरी दिशा-निर्देश

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 12 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुन्दन कुमार ने मंगलवार शाम को पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा के साथ पॉलीटेक्निक कॉलेज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्ट्रांग रूम एवं सभी विधानसभा क्षेत्र अनुसार मतगणना कक्ष का अवलोकन किया। उन्होंने मतगणना हेतु व्यवस्थित सुविधा के लिए अधोसंरचना को दुरुस्त करवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुन्दन के द्वारा मतगणना स्थल एवं स्ट्रांगरूम सहित मतदान दल की रवानगी एवं मतदान दलों द्वारा मतदान सामग्री वितरण प्राप्त करना, सीलिंग आदि कार्य किए जाने पर विस्तृत जानकारी ली। इन समस्त कार्यों के संबंध में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा पॉलिटेक्निक भवन का निरीक्षण किया गया। उन्होंने स्ट्रॉन्ग रूम और मतगणना कक्ष की आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने भी जरूरी दिशा निर्देश दिए।

गौरतलब है कि आगामी विधानसभा निर्वाचन की तैयारियों को लेकर प्रशासन द्वारा युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है। इसी कड़ी में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम अंतर्गत त्रुटिरहित निर्वाचक नामावली तैयार करने नवीन मतदाताओं को जोडने, आवश्यकता अनुरूप विलोपन और संशोधन का काम भी किया जा रहा है। साथ ही मतदान के प्रति लोगों को जागरूक करने विभिन्न स्वीप गतिविधियां भी चलाई जा रही हैं। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सुनील नायक, ईई पीडब्ल्यूडी एवं निर्वाचन से संबंधित अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनदर्शन में दिव्यांग बच्चे को तत्काल मिली व्हीलचेयर, साथ ही स्वास्थ्य-शिक्षा सम्बन्धी आवश्यक सुविधाएं

» तीन वर्षीय पुत्री को लेकर जनदर्शन में पहुंची आवेदिका, इलाज हेतु आर्थिक सहायता के लिए लगाई गुहार

» जनदर्शन में कलेक्टर श्री कुंदन कुमार ने कमेश्वरी को सौंपा अनुकम्पा नियुक्ति आदेश

» त्वरित एक्शन से आवेदिका को मिली ऋण पुस्तिका, श्रमिकों को मिली मजदूरी राशि

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 12 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को साप्ताहिक समय सीमा की बैठक एवं जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में कुल 129 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर जनदर्शन में अपनी 03 वर्षीय पुत्री को लेकर आयीं दरिमा के मोतीपुर की श्रीमती सोनिया सिंह ने कलेक्टर को बताया कि उनकी पुत्री के हृदय में 7 मिमी का छेद है, उनकी आर्थिक स्थिति उतनी अच्छी नहीं है कि पुत्री की इलाज का पूरा खर्च वहन कर सके। कलेक्टर श्री कुंदन ने संवेदनशीलता के साथ सोनिया को आवश्यक सहायता प्रदान किए जाने हेतु आश्वस्त किया तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत इलाज कराने हेतु जल्द से जल्द प्रकरण प्रेषित करें तथा अन्य सहायता भी उपलब्ध कराएं।

इसी तरह जनदर्शन में आए करजी बुढकन पारा के 09 वर्षीय दिव्यांग हिमांशु पैंकरा को तत्काल व्हीलचेयर प्रदान की गई। अपनी माता के साथ आए हिमांशु की मदद के लिए कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य विभाग द्वारा राशन कार्ड भी उपलब्ध कराया गया। साथ ही कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को बच्चे की घर आधारित शिक्षा, संरक्षित भत्ता प्रदान कराए जाने तथा स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने निर्देशित किया।

जनदर्शन में सोलर कंट्रोलर की मांग हेतु आवेदन प्राप्त होने पर क्रेडा विभाग को त्वरित मदद किए जाने के निर्देश दिए गए। इसी तरह विकासखंड बतौली के ग्राम पंचायत नकना से आए पहाड़ी कोरवा परिवारों के विद्युत व्यवस्था के संबंध में आवेदन पर कलेक्टर ने क्रेडा विभाग को त्वरित उपाय हेतु सोलर लाइट की सुविधा देने निर्देशित किया। इसके साथ ही उन्होंने सीएसईबी को भी सर्वे कर आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। एक अन्य आवेदन में आवेदकों द्वारा ऋण पुस्तिका लंबे समय से किसी व्यक्ति के कब्जे में होने की जानकारी दी गई जिसपर कलेक्टर ने त्वरित कार्यवाही की और आवेदकों को ऋण पुस्तिका वापस दिलाई गई। उन्होंने इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही किए जाने की भी बात कही। आवेदकों ने इस त्वरित एक्शन पर कलेक्टर को धन्यवाद दिया।

ग्राम करजी झोरबहरा में नहर निर्माण का कार्य कर चुके श्रमिकों ने भी नहर कार्य की मजदूरी ठेकेदार से दिलाने आवेदन दिया जिसपर भी त्वरित कार्यवाही करते हुए ठेकेदार के माध्यम से लगभग डेढ़ लाख राशि श्रमिकों को उनकी मजदूरी प्रदान कराई गई। इसके साथ ही भूमिपट्टा, बिजली खम्भा हटाने, पानी निकासी सहित अन्य मांगो एवं समस्याओं के सम्बंध में जनदर्शन में आए आवेदनों पर कलेक्टर ने सम्बन्धित विभागों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया।

जनदर्शन में कलेक्टर कुंदन कुमार ने कमेश्वरी को सौंपा नियुक्ति आदेश

जनदर्शन में कलेक्टर कुंदन कुमार ने श्रीमती कमेश्वरी को अनुकम्पा नियुक्ति आदेश प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार चतुर्थ श्रेणी के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति के लिए 10 प्रतिशत सीमा बंधन को समाप्त एवं विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार चतुर्थ श्रेणी के पदों को जिला स्तरीय पद घोषित किया गया है। जिसके फलस्वरूप कलेक्टरेट कार्यालय भू अभिलेख शाखा अम्बिकापुर में चतुर्थ श्रेणी के पद पर पदस्थ श्री बैसाहू राम की सेवाकाल में आकस्मिक निधन होने पर श्रीमती कमेश्वरी राजवाड़े को चतुर्थ श्रेणी के भृत्य के पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान किया है।

CMYK

संयुक्त राष्ट्र निकाय ने कहा-लोकतांत्रिक सुधारों की चुनौतियों से निपटने में विफल रहा श्रीलंका

कोलंबो, 12सितम्बर 2023 । संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार निकाय ने कहा है कि श्रीलंका राजनीतिक और लोकतांत्रिक सुधारों की लंबे समय से चली आ रही चुनौतियों से निपटने में विफल रहा है। हालांकि, द्वीप राष्ट्र ने इन दावों को खारिज किया है।

जिनेवा में सोमवार को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 54वें नियमित सत्र को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र के उप उच्चायुक्त नादा अल-नशीफ ने कहा कि श्रीलंका 2022 के गहरे आर्थिक संकट और वैश्विक अर्थव्यवस्था में मौजूदा तनाव से जूझ रहा है।

उन्होंने कहा कि गहरे राजनीतिक और लोकतांत्रिक सुधारों की मांग को लेकर श्रीलंका में विरोध प्रदर्शन हुए। एक साल बाद भी लंबे समय से चली आ रही चुनौतियों से निपटने की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन यह अब तक पूरी नहीं हुई है। नादा ने कहा, स्थानीय सरकार के चुनाव कराने और 13वें संशोधन के तहत प्रांतीय परिषदों के पुनर्गठन में देरी से लोगों की राजनीतिक भागीदारी और मतदाताओं की स्वतंत्र अभिव्यक्ति के अधिकार को सीमित कर दिया गया है।

मानवाधिकार निकाय ने कहा कि आर्थिक संकट ने श्रीलंका में आबादी के बड़े हिस्से के अधिकारों को काफी प्रभावित किया है, लेकिन इससे गरीब और हाशिए के समुदायों पर असर पड़ा है। नादा ने कहा, देश की गरीबी दर 2021 में 13 प्रतिशत से बढ़कर 2022 में 25 प्रतिशत हो गई है, इसलिए अन्य 2.5 मिलियन लोग गरीबी में चले गए हैं और अनुमानित 37 प्रतिशत परिवार तीव्र खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गृह युद्ध समाप्त होने के 14 साल बाद भी हजारों पीड़ित और उनके परिवार सच्चाई, न्याय और उपचार की प्रतीक्षा में पीड़ा और दुख से पीड़ित हैं।

जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय में श्रीलंका की स्थायी प्रतिनिधि हिमाली सुभाषिनी अरुणतिलक ने आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, श्रीलंका लक्षित प्रतिबंधों के संदर्भ सहित सभी निष्कर्षों और सिफारिशों को खारिज करता है क्योंकि वे गलत और अप्रमाणित स्रोतों पर आधारित हैं।

अरुणतिलक ने कहा, यह खेदजनक है कि ओएचसीएचआर ने देश और उसके संस्थानों के लोकतांत्रिक लचीलेपन को नजरअंदाज कर दिया है, जो पिछले एक साल में प्रदर्शित किया गया है। संयुक्त राष्ट्र की उप मानवाधिकार प्रमुख नादा ने अपने बयान में यह भी कहा कि श्रीलंका के वर्तमान और भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए जवाबदेही महत्वपूर्ण है।

ब्राजील में उष्णकटिबंधीय चक्रवात से 44 लोगों की मौत

साओ पाउलो ,12 सितंबर 2023। दक्षिणी ब्राजील में पिछले हफ्ते आए एक अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात के बाद कुल 44 लोगों की मौत हो गयी और 46 अन्य लापता हो गए। चक्रवात के कारण अर्जेंटीना और उरुग्वे की सीमा से लगे रियो ग्रांडे डो सुल राज्य के लगभग 60 शहरों और पड़ोसी राज्य सांता कैटरीना के कुछ क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश, बाढ़, 110 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की हवाएं चली और भूस्खलन शुरू हो गया। एजेंसी ने कहा कि एक को छोड़कर सभी मौतें रियो ग्रांडे डो सुल में हुई, जहां 224 लोग घायल हो गए और 14,000 से अधिक लोगों को निकाला गया। सबसे बुरी तरह प्रभावित शहर म्यूकम है जहां 16 लोगों की मौत हुई और रोका सेल्स में 10 लोगों की मौत हुई।

ब्राज़ील के उपराष्ट्रपति गेराल्डो एल्कमिन ने चक्रवात से प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति को लगभग 160 अमेरिकी डॉलर का मुआवजा देने की सरकार की योजना की घोषणा करने के बाद रविवार को इस क्षेत्र का दौरा किया। राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डी सिल्वा ने भारत से बोलते हुए चरम मौसम की घटना को जलवायु परिवर्तन के परिणामों से निपटने के लिए आवश्यक पर्यावरणीय एजेंडे से जोड़ा। सिल्वा भारत में जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने आए हुए थे।

हवा में भरा फाइटर प्लेन का फ्यूल, भारतीय वायुसेना का हैरतअंगेज कारनामा देख हो जाएंगे दंग

काहिरा, 12 सितम्बर 2023। मिस्र की राजधानी काहिरा में ब्राइट स्टार-23 अभ्यास आयोजित किया जा रहा है। 27 अगस्त से 16 सितंबर तक चलने वाले अभ्यास में भारतीय वायुसेना पहली बार भाग ले रही है। यहां संयुक्त राज्य अमेरिका, सऊदी अरब, ग्रीस और कतर की वायुसेना टुकड़ियां भी मौजूद हैं।

ब्राइट स्टार-23 अभ्यास का उद्देश्य

इस अभ्यास का उद्देश्य शामिल देशों के मध्य सामंजस्य स्थापित करना और रणनीतिक संबंधों को बढ़ावा देना है। साथ ही, सीमाओं पार संबंधों को अत्यधिक प्रगाढ़ करना भी है।

यह विमान दिखाएंगे अपना दम

भारतीय वायुसेना के दल में पांच Mig-29, दो IL-78, दो C-130 और दो C-17 विमान शामिल हैं। इसी के साथ ही गुरुड़ विशेष बल के कर्मियों के साथ स्क्वाड्रन के कर्मचारी भी अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं।

IL-78 का हवा में जलवा

भारतीय वायुसेना अपने हैरतअंगेज कारनामों के लिए जाना जाता है। कुछ ऐसे ही कारनामें मिस्र की राजधानी काहिरा में चल रहे ब्राइट स्टार-23 अभ्यास में भी देखने को मिले। अभ्यास के दौरान वायुसेना के हैरतअंगेज कारनामे सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं।

वीडियों में साफ देखा जा सकता है कि कैसे भारतीय वायुसेना के IL-78 ने हवा में मिस्र के मिग-29 में फ्यूल भरा।

भारत और मिस्र के बीच गहरा संबंध

आपको बता दें कि भारत और मिस्र के बीच हमेशा गहरे संबंध रहे हैं। सन् 1960 के दशक में संयुक्त रूप से दोनों देशों ने एयरो-इंजन और विमान के विकास पर काम किया था।

विंस्टन चर्चिल के पुराने ऑफिस में भारतीय मूल के हिंदुजा ग्रुप ने खोला लग्जरी होटल

लंदन, 12 सितम्बर 2023 । द्वितीय विश्व युद्ध के समय ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल का युद्ध कार्यालय अब एक लग्जरी होटल में तब्दील हो चुका है। बता दें कि आठ साल पहले भारतीय मूल के हिंदुजा समूह ने इस ऐतिहासिक इमारत को खरीदा था और अब इसे लग्जरी होटल में बदल दिया है। बता दें कि विंस्टन चर्चिल का पुराना युद्ध कार्यालय लंदन में पीएम आवास के सामने व्हाइटहाल बिल्डिंग में स्थित है। इस इमारत को भारतीय मूल के हिंदुजा समूह ने आठ साल पहले खरीदा था।

29 सितंबर को लग्जरी होटल की होगी शुरुआत

हिंदुजा समूह ने रेफेल्स होटल्स के साथ मिलकर इस ऐतिहासिक इमारत को लग्जरी रिहायशी इमारत, रेस्तरां और स्पा में तब्दील कर दिया है। हिंदुजा समूह ने फ्रांस के बहुराष्ट्रीय हॉस्पैटिलिटी समूह एकॉर के साथ मिलकर इस होटल को विकसित किया है और इस महीने के अंत में 29 सितंबर से यह लोगों के लिए खोल दिया जाएगा।

ऐतिहासिक है ये इमारत

पुराने युद्ध कार्यालय का निर्माण 1906 में पूरा किया गया था। इसे ब्रिटिश आर्किटेक्ट विलियम यंग ने डिजाइन किया था। इस इमारत में इतिहास के कई प्रभावशाली नेताओं के कार्यालय रहे, जिनमें विंस्टन चर्चिल और डेविड लॉयड जॉर्ज जैसे नाम शामिल हैं। जेम्स बॉन्ड सीरीज की कई फिल्मों में भी यह इमारत दिखाई जा चुकी है और हालिया नेटफ्लिक्स सीरीज द क्राउन में भी इसे दिखाया गया था।

नए होटल में मेहमानों के लिए 120 कमरे और सुइट्स हैं। इसमें एक विशाल बालरूम है और मशहूर शेफ माउरो कोलाग्रेको मेहमानों के लिए खाना तैयार करेंगे। इस होटल में जिस जगह महान नेताओं के कार्यालय रहे, वहां एक हैरिटेज सुइट बनाया गया है। ऐतिहासिक इमारत में 85 रिहायशी मकान, नौ रेस्तरां और तीन बार भी बनाए गए हैं।

ब्रिटेन में विंस्टन चर्चिल को नायक के तौर पर देखा जाता है। वहीं भारत में उन्हें खलनायक माना जाता है। भारत में विंस्टन चर्चिल को साल 1943 में भूख से हुई लाखों मौतों का जिम्मेदार माना जाता है। दरअसल चर्चिल ने बंगाल से अनाज को हटाकर विश्व युद्ध लड़ रहे अपने सैनिकों को भेज दिया था, जिसके चलते अनाज की कमी से लाखों लोगों की मौत हो गई। यही वजह है कि उसी चर्चिल के पुराने ऑफिस को भारतीय मूल के परिवार द्वारा खरीदा जाना और उसमें लग्जरी होटल का निर्माण अपने आप में खास है।

फ्रेंच वाइन-शानदार खाना और आलीशान

चलता-फिरता किला है उ.कोरिया के तानाशाह की खुफिया ट्रेन

प्योंगयांग, 12 सितम्बर 2023 । उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन अपनी बख्तरबंद ट्रेन से रूस पहुंच चुके हैं। कोरोना के बाद किम जोंग की यह पहली विदेश यात्रा है। इस बीच, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि जोंग उन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से यूक्रेन जंग में हथियारों की सप्लाई और सैन्य सहयोग पर बात करेंगे।

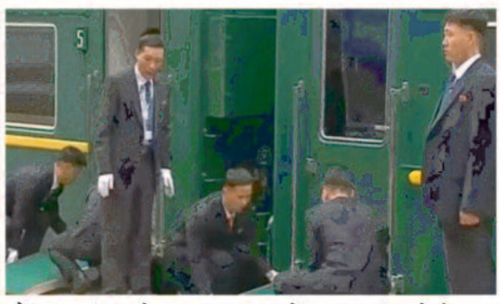

तानाशाह उन जैसे ही रूस के लिए रवाना हुए तो उनकी बख्तरबंद ट्रेन की फोटो चर्चा में आ गई। दरअसल, उत्तर कोरियाई तानाशाह ने अपनी सजी हुई, भारी बख्तरबंद और धीमी गति से चलने वाली निजी ट्रेन में यात्रा की। इस दौरान उनके साथ अन्य राजनयिकों और सैन्य कमांडरों के अलावा अन्य शीर्ष अधिकारी भी मौजूद थे।

ट्रेन में क्या है खास

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, किम के साथ ही अन्य उत्तर कोरियाई नेताओं ने धीमी गति से चलने वाली हरी और पीली ट्रेन पर 1,180 किमी (733 मील) की यात्रा में 20 घंटे बिताए। किम जोंग उन की यह खास ट्रेन इतनी भारी है कि यह 59 किमी/घंटा से अधिक नहीं चल सकती है। इसकी तुलना लंदन की हाई-स्पीड रेल और जापान की शिंकानसेन बुलेट ट्रेन से की जाती है, जो क्रमशः लगभग 200 किमी/घंटा और 320 किमी/घंटा की रफ्तार से चलती है।

ऐसे में सवाल उठता है कि उत्तर कोरियाई नेता हवाई जहाज से यात्रा करने के बजाय ट्रेन से यात्रा करना क्यों पसंद करते हैं?

दरअसल, बताया जाता है कि किम जोंग उन के पिता किम जोंग इल और उनके दादा किम इल सुंग दोनों हवाई यात्रा से डरते थे। उनका यह डर उस समय बढ़ा था, जब उन्होंने एक हवाई यात्रा के दौरान अपने जेट में विस्फोट देखा था। इस घटना के बाद किम इल सुंग सन् 1986 में सोवियत संघ चले गए। यह आखिरी बार था जब उत्तर कोरियाई नेता ने तीन दशकों से अधिक समय तक सार्वजनिक रूप से हवाई मार्ग से विदेश यात्रा की।

माना जाता है कि किम हवाई यात्रा से डरते हैं ऐसे में वे ज्यादातर यात्राएं ट्रेन से ही करते हैं। इस ट्रेन को 1949 में किम के दादा किम इल संग को स्टालिन ने गिफ्ट किया था। ये कई डिब्बों वाली इंटर-कनेक्टेड ट्रेन है। जब भी किम उत्तर कोरिया या चीन की यात्रा करते हैं तो उनका सारा लाव-लश्कर इसी ट्रेन में उनके साथ होता है।

रिपोर्ट के अनुसार, किम जोंग उन स्विट्जरलैंड में जब स्कूल में पढ़ रहे थे, तब वह हवाई यात्रा करते थे। हालांकि, साल 2011 में पदभार संभालने के बाद से उन्होंने कभी-कभार हवाई यात्रा करने का विकल्प रखा। उन्होंने साल 2018 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सिंगापुर में मुलाकात करने के लिए हवाई यात्रा की थी। कई लोगों का मानना है कि उन ट्रेन से यात्रा इसलिए करते हैं क्योंकि वह अपने परिवार की परंपरा बरकरार रखना चाहते हैं।

ट्रेन में इतने हैं डिब्बे

इस ट्रेन में 90 डिब्बे हैं। वहीं, इसमें सवार लोगों की पहचान न हो सके इसके लिए काली खिड़कियां लगाई गई हैं। ट्रेन के सभी डिब्बे बुलेटप्रूफ हैं, जिसकी वजह से यह ट्रेन बहुत भारी हो जाती है। इसमें एक रेस्तरां भी है, जिसमें महंगी फ्रांस की वाइन मिलती है। इतना ही नहीं यात्री लाइव लॉबस्टर और पोर्क बारबेक्यू का आनंद ले सकते हैं।

एक नहीं तीन ट्रेनें चलती हैं साथ

सरकारी मीडिया द्वारा जारी की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि जब वह गहरे हरे रंग की ट्रेन में चढ़े, तो सैन्य सम्मान गार्ड और गहरे रंग के सूट में लोगों की भीड़ फूल और झंडे लहरा रही थी। यह ट्रेन बख्तरबंद है। ऐसा माना जाता है कि किम की ट्रेन गहरे रंग की लकड़ी से बने प्रेस कॉन्फ्रेंस हॉल के साथ-साथ कई शयनकक्षों, सैटेलाइट फोन, फ्लैट स्क्रीन टीवी से सजी हुई है। जोंग उन की ट्रेन में आलीशान चमड़े के सोफे और कॉन्फ्रेंस रूम के साथ 21 बुलेटप्रूफ गाड़ियां भी मौजूद हैं।

मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उन की ट्रेन के अलावा दो और ट्रेनें साथ चलती हैं। इसमें से एक ट्रेन जो आगे चलती है वो यह सुनिश्चित करती है कि रेलवे ट्रैक सुरक्षित हैं और पीछे वाली ट्रेन अंगरक्षकों और सहायक कर्मियों को ले जाती है।

जब सड़कों पर बहने लगी 22 लाख लीटर वाइन,लोगों के घरों में भी घुसी, कहां हुई ये अजीब घटना

लिस्बन, 12 सितम्बर 2023 । पुर्तगाल के साओ लोरेनो डी बाइरो में एक अजीबोगरीब घटना देखने को मिली। दरअसल, रविवार को सड़को पर रेड वाइन की नदी बहने लगी, जिसे देखकर लोग स्तब्ध रह गए। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है, जहां लाखो लीटर की रेड वाइन सड़को पर बह रही है। बहाव इतना तेज है कि कई घरों के बेसमेंट में भी रेड वाइन भर गया।

पुर्तगाल की सड़को पर बहने लगी रेड वाइन की नदी

रविवार को लाखों लीटर रेड वाइन पुर्तगाल की साओ लोरेनो डी बाइरो की सड़कों में बहने लगी। यह वाइन कस्बे की एक पहाड़ी से निकलकर सड़कों पर बहने लगी, जिसे देखकर सभी हैरान रह हए। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, 22 लाख लीटर से अधिक वैरेल वाली एक टैंक के फटने की वजह से सड़कों में रेड वाइन की नहीं बहने लगी। इस बहाव ने परेशानी खड़ी कर दी थी, क्योंकि यह पास के एक नदी की तरफ तेजी से बढ़ने लगी थी। रेड वाइन का बहाव इतना अधिक था कि घरों के बेसमेंट में भी भर गया।

घटना की जानकारी पाकर दमकल विभाग मदद के लिए पहुंची

घटना की जानकारी पाकर दमकल विभाग शर्टिमा नदी के शराब की नदी में बदलने से पहले कार्रवाई शुरू कर दी। रेड वाइन के बहाव को पास के खेत की तरफ प्रवाहित किया गया। इस घटना के लिए लेविरा डिस्टिलरी ने मांफी मांगी है और क्षति और मरम्मत से जुड़ी लागतों की पूरी जिम्मेदारी ली है।

2023 में अहमदियों के 28 पूजा स्थलों पर किया गया हमला,पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग ने जताई चिंता

इस्लामाबाद, 12 सितम्बर 2023 । पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में 2023 में अब तक अहमदी अल्पसंख्यक समुदाय के कम से कम 26 पूजा स्थलों पर या तो कट्टरपंथी इस्लामवादियों ने हमला किया है या पुलिस द्वारा उन्हें आंशिक रूप से ध्वस्त कर दिया गया है। एक रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई है। एक रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई है।

जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान द्वारा लाई गई रिपोर्ट में कहा गया है कि जनवरी 2023 से देशभर में उसके पूजा स्थलों को अपवित्र करने की 28 घटनाएं हुई हैं, जिनमें से 10 सिंध में और शेष पंजाब प्रांत में हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, %कुछ अहमदी पूजा स्थलों पर कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी ने हमला किया जबकि अन्य घटनाओं में पुलिस ने धार्मिक चरमपंथियों के दबाव में मीनारों और मेहराबों को ध्वस्त कर दिया और पवित्र लेखों को हटा दिया।

ऐसी ही ताजा घटना शुक्रवार आठ सितंबर को हुई थी, जब 1984 से पहले बने अल्पसंख्यक समुदाय के पूजा स्थलों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई पर प्रतिबंध लगाने वाले उच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना की गई। पंजाब प्रांत में पुलिस ने अहमदियों के पूजा स्थल के मेहराब को नष्ट कर दिया था।

तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) कथित तौर पर अहमदियों के खिलाफ नफरत फैलाने और पूजा स्थलों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई पर दबाव बनाने में सबसे आगे है। हालांकि, ऐसी किसी भी घटना में संलिप्तता के लिए टीएलपी कार्यकर्ताओं के खिलाफ अब तक एक भी मामला दर्ज नहीं किया गया है।

इससे पहले पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग ने कहा कि अहमदियों के पूजा स्थलों के हिस्से को नष्ट करना अहमदिया पूजा स्थलों की सुरक्षा के संबंध में लाहौर उच्च न्यायालय के हालिया फैसले का खुला उल्लंघन है। आयोग ने कहा, %यह एक बार फिर दिखाता है कि समुदाय को कानून प्रवर्तन और धार्मिक रूप से समान रूप से अपमानित किया जा रहा है। 2014 के उच्चतम न्यायालय के फैसले के अनुसार पुलिस को अपने धर्म का पालन करने के समुदाय के अधिकार की रक्षा करनी चाहिए। सरकार को अपराधियों को जवाबदेह ठहराना चाहिए, नुकसान की मरम्मत करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह फिर से न हो।

जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान का कहना है कि देश में पहले से ही हाशिए पर पड़े अहमदियों के लिए स्थिति दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया, अहमदियों को बुरे तत्वों के हाथों उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान के विभिन्न इलाकों में पूजा स्थलों को अपवित्र करने की घटनाएं लगातार जारी हैं। यह एक नया मानदंड बन गया है और अधिकारी कुछ नहीं कर रहे हैं।

भारत ने अफगानिस्तान को भेजा 50 हजार मीट्रिक टन अनाज और 200 टन दवाईयां,कहा- हम शांति चाहते हैं

न्यूयॉर्क, 12 सितम्बर 2023। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में जानकारी देते हुए बताया कि भारत, अफगानिस्तान का पड़ोसी और विकास भागीदार है। दोनों देश करीबी ऐतिहासिक सभ्यताएं हैं। हम अफगानिस्तान में शांति और स्थायित्व के समर्थक हैं और अफगानिस्तान में मानवाधिकार विकास संबंधी कार्यों की देखरेख कर रहे हैं।

भारत ने अफगानिस्तान में भेजी ये मदद

संयुक्त राष्ट्र की 54वीं मानवाधिकार परिषद की बैठक भारत ने बताया कि हमने अफगानिस्तान में 50 हजार मीट्रिक टन अनाज, 28 टन आपदा राहत पैकेज, 200 टन दवाईयां, वैक्सीन और अन्य मेडिकल आइटम भिजवाएं हैं। भारत संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार कार्यों में सहयोगी है, जिसके तहत अफगानिस्तान में 11 हजार यूनिट महिला स्वास्थ्य किट्स और कंबल भी अफगानिस्तान के महिला पुनर्वास केंद्रों को भेजे हैं। ऑफिस ऑफ द यूनाइटेड नेशंस हाई कमिश्नर फॉर ह्युमन राइट्स पर चर्चा के दौरान ये जानकारी दी।

डब्लूएफपी ने भी की थी भारत की तारीफ

बता दें कि विश्व खाद्य कार्यक्रम ने भी संकट से जूझ रहे अफगानिस्तान के लोगों को मदद भेजने के लिए भारत की मदद की थी। करीब दो साल पहले तालिबान ने फिर से अफगानिस्तान की सत्ता कब्जाई थी, उसके बाद से ही अफगानिस्तान मानवीय संकट का सामना कर रहा है। भारत, अफगान लोगों के लिए चिकित्सा और खाद्य सहायता सहित अन्य मानवीय सहायता की आपूर्ति कर रहा है। विश्व खाद्य कार्यक्रम ने कहा था कि हम इस साल की पहली छमाही में अफगानिस्तान में 1.6 करोड़ लोगों को डब्लूएफपी से भोजन मिला है। हम भारत जैसे उदार दानदाताओं के आभारी हैं, जिन्होंने इसे संभव बनाया है।

CMYK

राम वन गमन पथ 1200 किलोमीटर की पदयात्रा पर निकले मनोज चतुर्वेदी

8 दिन की यात्रा में तय किया 260 किलोमीटर का सफर

मनोज चतुर्वेदी की पद यात्रा छत्तीसगढ़ के विधानसभा क्रमांक 1 से शुरू हुई है और 90 नंबर विधानसभा पर खत्म होगी...

पद यात्रा के दौरान लगभग 15 जिला 30 विधानसभा रास्ते में पड़ेंगे

पदयात्रा के दौरान जगह-जगह हो रहा उनका स्वागत,कड़े संकल्प की लोग कर रहे सराहना

मनोज चतुर्वेदी के पदयात्रा में एक श्वान भी है शामिल,जिसका नाम रखा गया है देवदूत

लोगों के स्नेह व उत्साह से तय होगी 1200 किलोमीटर की पदयात्राःमनोज चतुर्वेदी

-रवि सिंह-
कोरिया/एमसीबी, 12 सितम्बर 2023
(घटती-घटना)।

राम के पद चिन्ह पर चलने व हिंदुत्व व सनातन धर्म के प्रचार के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के नवीन जिला एमसीबी के खोंगापानी निवासी मनोज चतुर्वेदी ने एक बहुत बड़ा संकल्प ले लिया है, छत्तीसगढ़ राज्य में राम वन गमन पथ को लेकर उन्होंने 1200 किलोमीटर की पैदल यात्रा करने की ठान ली है और इस पद यात्रा पर वह निकल चुके हैं, पद यात्रा शुरू किए उन्हे 8 दिन बीत चुका है और लगभग उनकी यात्रा 260 किलोमीटर से ऊपर हो चुकी है, इस यात्रा में उन्होंने तीन विधानसभा व 3 जिले की सीमाओं को छु लिया है, यात्रा 5 सितंबर को हरचौका जिला एमसीबी छत्तीसगढ़ से शुरू हुई थी जो सूरजपुर जिले को पार करते हुए सरगुजा पहुंचने वाली है, यह यात्रा काफी लंबी है जिस यात्रा पर मनोज चतुर्वेदी निकल चुके हैं और वह ठान लिए हैं कि 1200 किलोमीटर की पदयात्रा उन्हें करनी है उनके इस संकल्प की लोग सराहना कर रहे हैं और उनका हौसला बढ़ाने के लिए इस यात्रा में जगह-जगह पर लोग जुड़ रहे हैं और उनका स्वागत कर रहे हैं। इस यात्रा में स्वागत करने वाले राजनीतिक व गैर राजनीतिक सभी लोग उनके इस कार्यो से प्रेरित हैं और उनके इस संकल्प का सम्मान कर रहे हैं वही मनोज चतुर्वेदी का कहना है कि आप लोगों के उत्साह व ईश्वर की मर्जी से मैं इस यात्रा को पूरा करूंगा।

ज्ञात होगी छत्तीसगढ़ राज्य के जिला एमसीबी के भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र के खोंगापनी निवासी मनोज चतुर्वेदी ने पद यात्रा शुरू की है, यह पदयात्रा कोई आम पद यात्रा नही है बल्कि राम वन गमन पथ की पद यात्रा है, मिली जानकारी अनुसार वनवास के दौरान भगवान राम ने जिन रास्तों पर चलते हुए छत्तीसगढ़ में गमन किया था और अपना वनवास काल काटा था उन ग्राम व नगरों से होते हुए मनोज चतुर्वेदी भी यात्रा तय करेंगे, शिव भक्त मनोज चतुर्वेदी एक नई यात्रा के लिए निकल पड़े हैं एक ऐसी यात्रा जिसकी परिकल्पना स्वयं महादेव ने की हो.. ऐसी यात्रा जो इससे पहले स्वयं भगवान ने की हो, जिस पर चलकर एक पुत्र ने पिता के वचन का मान बढ़ाया था..जिस मार्ग पर चलकर सत्य ने असत्य पर विजई पाई हो.. जिस यात्रा ने वनवासी एवं आदिवासियों का मान बढ़ाया था.. और उसी मार्ग पर चलकर हम अपने आप को शाश्वत कर सके सनातन शाश्वत हुआ था, मनोज कुछ ऐसी ही यात्रा पर निकल चुके है यह यात्रा राम वन पथ गमन के दंडकारण्य क्षेत्र का जहां हमारे श्री राम मां सीता और श्री लखन ने वनवास के दौरान 10 वर्ष से अधिक का समय व्यतीत किया।

देवदूत श्वान बना मनोज चतुर्वेदी का सारथी,चल रहा उनके साथ

इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण और अहम किरदार अब एक श्वान हो चुका है जो मनोज चतुर्वेदी जी के साथ कदम मिलाकर चल रहा है,लोग भले अपने क्षेत्र में उनका स्वागत कर रहें है सम्मान कर रहें हैं लेकिन एक श्वान उनकी यात्रा से जबसे जुड़ा है उनके साथ है और वह चलता जा रहा है,उसे लोग अब देवदूत बता रहें हैं और उसका भी आदर सत्कार कर रहें हैं।

नक्सली क्षेत्र में मिले पद यात्री को सुरक्षा

राम वन गमन पथ पदयात्रा जिसमे एमसीबी जिले के मनोज चतुर्वेदी निकले हुए हैं और फिलहाल यह यात्रा सरगुजा संभाग में उनकी जारी है जो आगे नक्सल क्षेत्र में भी पहुंचेगी जिसके लिए यात्रा को शासन को सुरक्षा मुहैया करानी चाहिए,अभी मनोज चतुर्वेदी आबादी क्षेत्रों में पदयात्रा कर रहें हैं आगे उन्हे वनों बीहड़ वनों के बीच से यात्रा करना है अब ऐसे में उन्हें सुरक्षा की जरूरत पड़ेगी,जो उन्हे मुहैया कराया जाना चाहिए।

शासन को पदयात्रा के लिए करनी चाहिए उत्तम व्यवस्था

शासन प्रशासन को पदयात्रा के लिए उत्तम व्यवस्था करानी चाहिए,अब प्रशासन व्यवस्था प्रदान करती है की नहीं यह देखने वाली बात होगी लेकिन मनोज चतुर्वेदी को फिलहाल लोगों का बेहतर साथ मिल रहा है जो उनका सहयोग कर पा रहें हैं।

मनोज चतुर्वेदी के हिम्मत व संकल्प की हो रही सराहना

मनोज चतुर्वेदी जो इस कठिन यात्रा पर निकले हुए हैं उनकी सराहना आज हर सनातन धर्म अनुयाई कर रहा है,यह यात्रा बेहद कठिन यात्रा है और इस दौरान उन्हें लगातार मुस्किलों से भी गुजरना है लेकिन बिना परवाह वह श्री राम नाम का संकल्प लेकर यात्रा पर निकल चुके हैं,मनोज चतुर्वेदी पूरी अपनी यात्रा के दौरान सनातन धर्म का श्री राम का बखान करते आगे बढ़ेंगे और यात्रा पूरी करेंगे जिसको लेकर उनकी सराहना हो रही है।

अन्य धर्म के लोगों ने भी श्री राम वन गमन पथ पद यात्रा में लिया हिस्सा

मनोज चतुर्वेदी के संकल्प को और अधिक बल तब मिलता देखा गया जब उनकी श्री राम नाम की यात्रा में अन्य धर्मो के लोगों को भी उनके साथ पद यात्रा करते देखा गया। यह दृश्य यह बताने काफ़ी है की श्री राम का चरित्र साथ ही मनोज चतुर्वेदी जी का संकल्प काफी प्रेरणा देने वाला साबित हुआ जहां धर्म बंधन छोड़कर भी लोगों के अन्य धर्म के अनुयायियों ने उनका साथ दिया यात्रा में और श्री राम के अस्तित्व को स्वीकार किया।

1200 किलोमीटर के सफर में पड़ेंगे 15 जिले वह 30 विधानसभा

पूरी यात्रा में मनोज चतुर्वेदी 1200 किलोमीटर की यात्रा पूरी करेंगे, इस दौरान उन्हें 15 जिले रास्ते में मिलेंगे वहीं छत्तीसगढ़ के लगभग 30 विधानसभा इस दौरान उन्हें मार्ग में मिलने वाले हैं, जहां वह सनातन का ध्वज लहराएंगे, सनातन संस्कृति का महत्व छत्तीसगढ़ के लिए कितना है राम राज्य में कितने समय तक वनवाश किए यह यात्रा से लोग जानेंगे। कुल मिलाकर यह यात्रा श्री राम की कहानी जीवंत करेगी और राज्य सहित पूरे देश और विश्व को छत्तीसगढ़ के प्रति आकर्षित करेगी।

1 नंबर विधानसभा से यात्रा हुई शुरू 90 नंबर विधानसभा पर होगी खत्म

छत्तीसगढ़ राज्य के विधानसभा क्रमांक एक से मनोज चतुर्वेदी की यात्रा आरंभ हुई है और यह यात्रा प्रदेश के अंतिम विधानसभा क्रमांक 90 तक जाकर पूरी होगी जो इसकी विशालता बताने काफ़ी है। प्रदेश के जिन जिलों से यह यात्रा जायेगी वहां सनातन ध्वज लहराएगा यह निश्चित है।

यात्रा छत्तीसगढ़ राज्य को नई पहचान देगा

मनोज चतुर्वेदी की सोच में आज के समय में जब लोगों के अंदर धार्मिक क्षेत्र एवं पर्यटन के प्रति सकारात्मक भाव तथा लोगों में नए स्थानों में जाने एवं उसे देखने और महसूस करने का बहुत ज्यादा उत्साह है ऐसे में उनकी यह यात्रा छत्तीसगढ़ राज्य को नई पहचान देगा क्योंकि सनातन की पहचान श्री राम अपने पिता के आदेश का पालन करने सबसे ज्यादा समय इसी राज्य के वनों के विचरण किए थे और उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम होने का मान पाया था, पिता आदेश का ऐसा परिपालन कहीं और देखने को नहीं मिलता, जहां राज पाठ छोड़कर एक राजा खुद को सन्यासी बना लेता है क्योंकि उसे पिता का निर्देश पालन करने का संकल्प महत्वपूर्ण नजर आता है। वहीं इस दौरान श्री राम ने वन क्षेत्र के हर रहवासी से आत्मीयता दिखाई जाति पाती और किसी छुआ छूत का उन्होंने खंडन किया जो उनका जीवन चरित्र बताता है।

राम के वनवास का पहला पड़ाव

आइए आपको हम बताते हैं कि सीतामढ़ी क्यों खास है, दरअसल, छत्तीसगढ़ के नवीन एमसीबी जिले का विकासखंड भरतपुर सांस्कृतिक विविधताओं और पुरातात्विक अवशेषों से भरा हुआ है, इस भू भाग को राम वन गमन पथ के तौर पर विकसित किया जा रहा है. यहां भगवान राम ने वनवास के दौरान भगवान शिव की आराधना की थी, भगवान शिव के शिवलिंग की भी स्थापना की थी. एमसीबी जिला मुख्यालय से लगभग 150 किलोमीटर दूर कठौतिया केल्हारी जनकपुर होकर पहुंचा जाता है. सीतामढ़ी हरचौका जहां, भगवान श्री रामचंद्र जी का दक्षिण कौशल (छत्तीसगढ़) में प्रथम पड़ाव हुआ था वही क्षेत्र है। मनोज चतुर्वेदी जी ने यहीं से अपनी पदयात्रा की शुरुआत की है।

कहाँ - कहाँ से गुजरे अब तक मनोज चतुर्वेदी

मनोज चतुर्वेदी ने हरचौका से पुजा अर्चना पश्चात पैदल निकल कर चांग देवी में विश्राम किया इसके बाद वो सीतामढ़ी होते हुए कोटडोल पहुचे, जल्द मनोज रामगढ़ पहुचे जहां उन्होंने रात्रि विश्राम पश्चात सुबह से सोनहत तक कि यात्रा की सोनहत में महामाया मंदिर के समीप अपने मित्र राजन पाण्डेय के निवास पर विश्राम कर सुबह से बैकुण्ठपुर तक कि यात्रा कर प्रेमाबाग पहुचे, उसके बाद पटना होते हुए सूरजपुर पहुंचे सूरजपुर से उदयपुर के लिए रवाना हुए इस बीच उनका उत्साह बनाए रखने के लिए लोग उनके साथ हर पड़ाव पर 40 किलोमीटर चलते नजर आए और उनके साथ देते दिखे।

विधायक गुलाब कमरो ने भी की 35 किलोमीटर की यात्रा

सोनहत से पदयात्रा में विधायक गुलाब कमरो भी शामिल हुए, विधायक कमरो खाली पेट 35 किलोमीटर तक मनोज के साथ चले, इस यात्रा में विधायक कमरो के 35 किलोमीटर पैदल चलने से लोगो को भी उनका सनातन धर्म के प्रति समपर्ण भाव पसन्द आया विधायक ने कैलाशपुर और घुघरा में मंडली के साथ मिल कर भजन भी गाया सोनहत क्षेत्र से राजन पाण्डेय नवीन पाण्डेय लव प्रताप सिंह प्रेम सागर तिवारी, पंकज दुबे बनसजीवन, शैलेन्द्र मिश्रा मारुति शर्मा, अविनाश, सुरेश, पुष्पेन्द्र, विक्रम राघवेंद्र, किस्मत लाल, सुमित राजवाड़े, महिपाल सहित कई लोग यात्रा में शामिल हुए और बैकुण्ठपुर तक मानोज के सहभागी बने।

राम वन-गमन पदयात्रा पर निकले मनोज का बैकुन्ठपुर में ढोल नगाडो के साथ जोरदार हुआ स्वागत

वही एमसीबी जिले का युवक मनोज चतुर्वेदी कोरिया जिला मुख्यालय बैकुन्ठपुर पहुचे, जहा घडी चौक पर नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह, वेदांती तिवारी, आशीष डाबरे, अजीत लाकड़ा, राजीव गुप्ता, प्रभाकर सिंह, विजय प्रजापति ननकू, महाराजअर्पित गुप्ता, वैभव सिंह, सौरभ गुप्ता, साजिद उस्मानी, मन्नू गुप्ता, अंकित गुप्ता, लवी दिनेश दुबे, रवि राजवाड़े, प्रमोद सिंह, प्रखर जायसवाल, मयंक गुप्ता, प्रशांत सिंह, लाल दास, अंकित गुप्ता, नंदू प्रजापति, संगीता राजवाड़े, लक्ष्मी सिंह, उषा सिंह एवं अन्य धर्म प्रेमी भारी संख्या में घड़ी चौक में उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी केंद्र में गोद भराई व अन्नप्राशन कार्यक्रम का आयोजन

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर 12 सितम्बर 2023
(घटती-घटना)।

आंगनबाड़ी केंद्र केनापारा में महिला बाल विकास विभाग के द्वारा महिलाओं को बेहतर पोषण आहार देने एवं गर्भवती महिलाओं का गोद भराई एवं छोटे बच्चों का अन्नप्राशन मनाया गया जिसमें मुख्य रूप से नगर पालिका परिषद की नेता प्रतिपक्ष अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुई अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने कहा कि गोद भराई का मुख्य उद्देश गर्भावस्था के दिनों में बेहतर पोषण की जरूरत के बारे में गर्भवती महिलाओं को अवगत कराना है। माता एवं गर्भस्थ शिशु के बेहतर स्वास्थ्य एवं प्रसव के दौरान होने वाली संभावित जटिलताओं में कमी लाने के लिए गर्भवती के साथ परिवार के लोगों को भी अच्छे पोषण पर ध्यान देना चाहिए।

आंगनबाडी केंद्र पर सोमवार को महिला बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी की ओर से गोद भराई दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर गर्भवती महिलाओं को उपहार के रूप में पोषण की पोटली भी दी गई। जिसमें गुड़, चना, हरी

पत्तेदार सब्जियां, आयरन की गोली, पोषाहार व फल आदि शामिल थे। महिलाओं को उपहार स्वरुप पोषण की थाली भी दी गयी, जिसमें सतरंगी थाली व अनेक प्रकार के पौष्टिक पदार्थ शामिल थे। गर्भवती महिलाओं को चुनरी ओढ़ाकर और टीका लगाकर महिलाओं की गोद भराई की रस्म पूरी की गई।

खुशबू तिवारी परियोजना अधिकारी ने बताया गर्भवती महिलाओं को अच्छे सेहत के लिए पोषण की आवश्यकता व महत्व के बारे में जानकारी दी गई। है। गोद भराई रस्म में पोषक क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं अन्य महिलाओं ने भाग लिया। नगर पालिका परिषद नेता प्रतिपक्ष अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह के द्वारा गर्भवती महिलाओं के सम्मान में उसे चुनरी ओढ़ा उसे तिलक लगा और गर्भस्थ शिशु की बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गोद में पोषण संबंधी पुष्ठहार फल सेव, संतरा, बेदाना, दूध, अंडा देकर गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को आयरन की गोली खाने की सलाह दी।जैसे ही महिलाओं को गर्भधारण की पुष्टि हो जाय वे निकटतम स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सक के निगरानी में रहें तथा नियमित रूप से चेक-अप कराएं। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को गर्भधारण से लेकर बच्चे के जन्म तक बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया। आखिरी महीनों में शरीर को अधिक पोषक तत्वों की जरूरत होती है। इस दौरान आहार में प्रोटीन, विटामिन, कार्बोहाइड्रेट के साथ वसा की भी मात्रा का होना जरूरी होता है। महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना, मातृ शिशु सुरक्षा कार्ड, प्रसव पूर्व देखभाल, एनीमिया की रोकथाम व पौष्टिक आहार के संबंध में जानकारी दी। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के संरक्षक एवं उन अधिकारियों के द्वारा गर्भवती को जागरूक करना है- प्रयास के पीछे उद्देश्य यह है कि जागरूकता की कमी और अभाव में गर्भवती महिलाओं में खून की कमी आ जाती है। प्रेग्नेंसी के दौरान ध्यान न देने पर महिला कमजोर हो जाती हैं। जिसके कारण पैदा होने वाला बच्चा कमजोर होता है, जो कि कुपोषण का शिकार हो जाता है। ऐसी स्थिति न पैदा हो इसके लिए गर्भवती महिला को बेहतर देखभाल की जानकारी इस दिवस के मौके पर दी गई और पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी गई। सुनील शर्मा के द्वारासमस्त अतिथियों का आभार प्रकट किया गया एवं आज के कार्यक्रम को लेकर जानकारी प्रदाय की गई।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को बड़ा झटकाःअल्प संख्यक प्रदेशध्यक्ष इस्ताक अहमद ने किया कांग्रेस प्रवेश

-संवाददाता-
कोरिया सोनहत, 12 सितम्बर 2023
(घटती-घटना)।

कोरिया सोनहत 12 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)। कांग्रेस के केल्हारी में आयोजित संकल्प शिविर में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को बड़ा झटका लगा है, मिली जानकारी अनुसार गोंडवाना अल्प संख्यक मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष इस्ताक अहमद ने विधायक गुलाब कमरो व विनय जायसवाल की उपस्थिति में कांग्रेस प्रवेश कर लिया हैं, इस्ताक के कांग्रेस प्रवेश से कांग्रेस को इससे बड़ा फायदा होगा वही गोंगपा को बड़ा झटका भी लगा है, इस्ताक अहमद का भरतपुर सोनहत विधानसभा में अच्छा खासा जनाधार है, सोनहत क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में इनकी अच्छी खासी पकड़ है इन्होंने ग्रामीणों के हक लिए लंबी लड़ाइयां भी लड़ी है जिसका फायदा कांग्रेस को आने वाले समय मे मिल सकेगा।

सोनहत में हुई थी गोपनीय बैठक

सूत्रों के हवाले से खबर मिली है कि सोनहत में इस्ताक अहमद और विधायक गुलाब कमरो की मीटिंग उनके प्रतिनिधि राजन पाण्डेय के आवास पर हुई थी, लेकिन दोनों लोगो को वहां जाते हुए गोंडवाना के कुछ पदाधिकारियो ने देख लिया था जिसके बाद इस्ताक अहमद के कांग्रेस प्रवेश की अटकलें तेज हो गई थी, पार्टी सूत्रों की माने तो पार्टी के बड़े नेताओं ने इस्ताक अहमद से कई बार सम्पर्क करने और मनाने की कोशिस की लेकिन उसका कोई खास असर नही हुआ, इस्ताक अहमद सोनहत ब्लॉक के रावत सराई आनंदपुर मझार टोला बेलार्ड सिंह पानी ,परसाबहरी विक्रमपुर सिंघोर उग्यव व धनपुर क्षेत्र में अच्छी खासी पकड़ रखते हैं, विधायक प्रतिनिधि राजन पाण्डेय के निवास पर क्या बाते हुई यह तो जानकारी नही मिल पाई है लेकिन गोंडवाना के नेताओ ने अप्रत्यक्ष रूप से कहा कि राजन पाण्डेय जोड़ तोड़ के माहिर खिलाड़ी हैं पिछ्ले बार मुख्यमंत्री के रामगढ़ कार्यक्रम में इन्ही के नेतृत्व में रामगढ़ क्षेत्र के भाजपा के प्रमुख नेता लाल जी गुप्ता को 100 से अधिक कार्यकर्ताओ के साथ कांग्रेस प्रवेश कराया गया था जिसके बाद से रामगढ़ में क्षेत्र कांग्रेस की स्थिति मजबूत हो गई है।

इस्ताक ने की विधायक कमरो की तारीफ

केल्हारी संकल्प शिविर में कांग्रेस प्रवेश के दौरान इस्ताक अहमद ने विधायक गुलाब कमरो व छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भुपेश बघेल के कार्यो की जम कर तारीफ की उन्होंने कहा कि आज वानांचल में बिजली और सड़क का पहुचना विधायक कमरो की सक्रियता का परिणाम है, लोगो के सुख और दुख में खड़ा रहने वाले विधायक गुलाब कमरो के कार्यो से प्रभावित होकर अब इनके साथ मिल कर क्षेत्र के विकास में सहभागी बनूंगा।

गोंडवाना से और नेताओं के कांग्रेस प्रवेश की खबर

इस्ताक अहमद के कांग्रेस प्रवेश के बाद गोंडवाना और भी कई गोंडवाना नेताओ के कांग्रेस प्रवेश की संभावना है, सूत्र बताते हैं कि जल्द ही कई गोंडवाना नेता कांग्रेस प्रवेश कर सकते हैं।

CMYK

डिडवापानी की तर्ज पर बिकी मैकी की जमीन

जमीन की खरीद फरोख्त का यह सिलसिला अनूपपुर जिला से होते हुए अब शहडोल जिला भी पहुंच चुका है जहां पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर फर्जी व्यक्तियों को खड़ा करके उनके नाम की रजिस्ट्री कराई जा रही है, जबकि भू स्वामी अभी भी लापता है। क्योंकि मामला करोड़ों रुपए के लेनदेन का है इसलिए दलाल अनूपपुर से जाकर शहडोल की भी भूमि को बेचने का काम कर रहे हैं।नया मामला मैकी जिला शहडोल का बताया जा रहा है सूत्रों के अनुसार अनूपपुर के कई भूमि दलाल अब शहडोल में बने मेडिकल कॉलेज से लगे कई एकड़ भूमि को करोड़ों रुपए में बेचने का काम कर चुके हैं जिसका पंजीयन भी कराया जा चुका है। इस जमीन को भी उसी तर्ज में बेचने का काम हुआ है जिस तर्ज में अनूपपुर जिले की डिडवापानी की जमीन को बेचा गया।

फर्जीवाड़ा अनूपपुर से होते हुए पहुंचा शहडोल

-अरविंद द्विवेदी-
अनूपपुर 12 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।
नई दिल्ली के व्यक्तियों की जमीन में शहडोल स्थित जमीन को अनूपपुर के दलालों के द्वारा फर्जी व्यक्तियों को खड़ा करके बेच दिया गया। वहीं सूत्रो की माने तो पहचान पत्र वाले दस्तावेजों में भी बदलाव किया गया जिसमें विक्रेता माना नायक निवासी वार्ड क्रमांक 02 मैकी हनुमान मंदिर जिला शहडोल व कुमार नायर पुत्र बालकृष्ण नायर उत्तम नगर नई दिल्ली बताया गया है। हर कोई ने अपनी कलम गिरवी रखी है राजस्व विभाग से लेकर विधि और रजिस्टार ऑफिस तक ने अपना जमीर तक गिर भी रख दिया।

छत्तीसगढ़ निवासी का पता दिखाए...अनूपपुर

अनूपपुर जिले की भूमि खरीदने के लिए अनूपपुर का निवासी दर्शाया है। जबकि छग के निवासी होने के वजह से यह रजिस्ट्री संभव नहीं था यानि उक्त भूमि को क्रय विक्रय करने हेतु फर्जी गवाह, फर्जी क्रेता-विक्रेता तैयार होने में कई वर्ष लगे होंगे एवं उक्त आराजी के भूमि को कूटरचित तरीके से बिहार का दर्शाकर क्रय-विक्रय करने में तहसील अनूपपुर के नामदार वकील भी शामिल हैं जोकि जांच में खुलाशा होगा। जबकि उक्त आराजी रकवा का मूल भूमि स्वामी दिल्ली में निवासरत है जिसका दस्तावेज आवेदक द्वारा जांच एवं न्यायालीन कार्रवाई में प्रस्तुत किया जायेगा।

सेवा प्रदाताओं की मिली भगत आ रही सामने

अनुपपुर में इन दिनों भू माफियाओं का बोलबाला नजर आ रहा है इनके साथ कुछ सेवा प्रदाताओं की मिली भगत भीं सामने आ रही है पर सबसे जरूरी पंजीयन का काम बिना उप पंजीयक के सहमति के नही हो सकता ऐसे में यह कहना गलत नही होगा की उक्त मामले में सबकी बराबर की हिस्सेदारी है बहरहाल मामला पुलिस के पास विचाराधीन है अब पुलिसिया कार्रवाई का इंतजार है।

लोगों के आशियाना बनाने का टूट रहा सपना

अनुपपुर की बेस कीमती भूमि पर इन दिनों ब्रोकर की खाल ओढ़े भू माफियाओं का कब्जा है यही कारण है कि आम आदमी आज अनुपपुर मे मकान बनाने के लिए जमीन खरीदने में डरता है क्योंकि आए दिन भू माफियाओं का फर्जी खरीदी-विक्रय करने का मामला सुर्खियों में रहता है। मजे की बात तो यह है कि लगातार सूचना के बाद भी प्रषासन इन पर लगाम कसने के लिए कोई सार्थक प्रयास नहीं कर रहा है।

क्या विभाग भी चढ़ोत्तरी लेकर हो गया किनारे

चंद्र सिक्कों की खनक के लिए जिम्मेदार अपना ईमान बेचते नजर आए हैं ऐसे में क्या जंगल कभी सुरक्षित हो पाएगा। जिन लोगों की बदौलत इस जमीन की बिक्री हुई थी आज वह इस मामले में पल्ला झाड़ते नजर आ रहे हैं। कई तो यह भी कह रहे हैं कि मुझे इस बात की जानकारी ही नहीं तो कुछ साजिश की बात कर रहे हैं। वकालत के पेशे से जुड़े वकील भी अपने आप को पाक साफ बता रहे हैं मगर जमीन के मामले में सर्विस प्रोवाइडर की बातों पर अगर यकीन किया जाए तो सारे दस्तावेज मुहैया वकील के द्वारा कराए गए। वही निगरानी में बैठा विभाग इससे हाथ मिलाकर अपनी जेब गर्म करता रहेगा।

इन जमीन को भी बेचा दलालों ने

अनूपपुर जिले की भूमि ग्राम डिडवापानी आराजी खसरा नम्बर 13/6/2 रकवा 1.265 हे0, 12/4 रकवा 4.047 से0, 7/4/2 रकवा 2. उत हे0. 8/1 रकवा 12.14 हे को फर्जी विक्रेता बनकर अनिल कुमार शाह (उम्र 51 वर्ष) पिता छोटेलाल शाह निवासी वार्ड नं. 06 पुनीरा आधार नं. 829050587408 के द्वारा विक्रयनामा बलवीर सिंह गिल पिता ज्ञान सिंह गिल निवासी हाउस नम्बर 87 वार्ड नं. 04 नयापारा बोदरी (बोसरी) बिलासपुर आधार नम्बर 251366353909 रजिस्ट्रेशन नं. एमपी 46252202312086376 रजिस्ट्रेशन दिनांक 05/07/2023 को रजिस्ट्री कराया गया है जिसमें भूमि विक्रय की राशि 4 चेक के माध्यम से 68 लाख रूपये प्राप्त कर रजिस्ट्री कराई गई है। जिसमें से 20 लाख रूपये जरिये ऐक्सिस बैंक शाखा राजेन्द्र नगर बिला सीटी बिलासपुर के चेक क्रमांक 040921 दिनांक 21 मई 2023 के माध्यम से एवं 20 लाख रूपये जरिये ऐक्सिस बैंक शाखा राजेन्द्र नगर बिला सीटी बिलासपुर के चेक क्रमांक 040922 दिनांक 21/06/2023 के माध्यम से एवं 18 लाख रुपये जरिये ऐक्सिस बैंक शाखा राजेन्द्र नगर बिला सीटी बिलासपुर के चेक क्रमांक 040923 दिनांक 21 मई को माध्यम से एवं 10 लाख रूपये नगद के माध्यम से इस प्रकार विक्रय प्रतिफल की संपूर्ण राशि 68,00,000 (अठसठ लाख रुपये मात्र) विक्रय पंजीयन के पूर्व विक्रेता से क्रेता ने चेक व नगद के माध्यम से राशि प्राप्त किया है तथा सेवा प्रदाता कमलेश प्रसाद राठौर पिता देवलाल राठौर (एसपी014625112201400139) निवासी वार्ड नं. 09 हाल मुकाम अनूपपुर तहसील के पास डॉ0 एसआरपी द्विवेदी बगल में बताया गया।

इनकी भूमिका है संदिग्ध, हुई है शिकायत

शिकायत कर्ता ने कहा कि इस पूरे मामले में कुछ लोगो की भूमिका संदेह के दायरे में है। सेवा प्रदाता ने बताया की अनूपपुर तहसील में वकील सुनील गुप्ता पिता माखनलाल गुप्ता निवासी ग्रा. जमुडी जिला अनूपपुर एवं लियाकत अली पिता हाजी अहमद अली निवासी अनूपपुर मस्जिद मोहल्ला के द्वारा क्रेता-विक्रेता एवं गवाहों के दस्तावेज, आईडी लाकर मुझे दिया गया। इसके साथ लक्ष्मीकांत द्विवेदी (अनूपपुर में लाल पट्टा के नाम से प्रचलित है) जोकि जीएम बंगला में रहता है जिनके माध्यम से मैंने रजिस्ट्री बुक किया। जिसमें गवाह सुधीर कुमार पिता लक्ष्मी प्रसाद बैठा निवासी वार्ड नं. 16 सुरधईया परिहार जिला सीतामढ़ी बिहार आधार नं. 704410866346 सूर्यकांत गोड पिता भगवत प्रसाद गोड निवासी वार्ड नं. 6 अचानकपुर बोडरी जिला बिलासपुर छग आधार नं. 902580204388 को विक्रयनामा में प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त दो-तीन लोग और इस साजिश में फर्जी दस्तावेज तैयार कर भूमि विक्रय करने में सहायक हैं। एक और फर्जी आईडी अनिल शर्मा पिता रतन लाल शर्मा निवासी हाउस नं 30 सालीमार बाग नार्थ वेस्ट दिल्ली 110068 आधार नं0 804912328160 तैयार कर रजिस्ट्री करने के कोशिश में हैं। जिसकी विस्तृत जांच में साजिश करने एवं फर्जी दस्तावेज तथा फर्जी गवाहों को तैयार कर प्रस्तुत करने की साजिश का पता चलेगा।

हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) ने नायरा एनर्जी से किया समझौता

-संवाददाता-
कोरबा, 12 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।
भारत की अग्रणी एकीकृत बिजली उत्पादक एनटीपीसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) और अंतरराष्ट्रीय स्तर की नए जमाने की अंतरराष्ट्रीय डाउनस्ट्रीम एनर्जी कंपनी नायरा एनर्जी ने समझौता किया है। हरित हाइड्रोजन और हरित ऊर्जा क्षेत्र में अवसरों का पता लगाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू)हस्ताक्षर किया गया है ।एमओयू हस्ताक्षर समारोह में एनजीईएल के सीईओ मोहित भार्गव और नायरा एनर्जी के प्रमुख-तकनीकी अमर कुमार ने भाग लिया। इस अवसर पर एनटीपीसी, एनजीईएल और नायरा एनर्जी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

एमओयू में नायरा एनर्जी के कैप्टिव उपयोग के लिए ग्रीन हाइड्रोजन के सहयोग और उत्पादन, डीकार्बोनाइजेशन में तेजी लाने और कार्बन पदचिह्न में कमी लाने की परिकल्पना की गई है। यह सहयोग भारत में हाइड्रोजन परियोजनाओं को विकसित करने की एनटीपीसी की पहल के अनुरूप है और माननीय प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित आत्मनिर्भर भारत (आत्मनिर्भर भारत) के दृष्टिकोण के अनुरूप है। सीईओ (एनजीईएल) मोहित भार्गव ने टीम को बधाई देते हुए, उल्लेख किया कि ÷भारत में स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा स्रोतों के संक्रमण में तेजी लाने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता में नायरा एनर्जी के साथ हाथ मिलाकर हमें खुशी हो रही है। ग्रीन हाइड्रोजन भारत की स्वच्छ ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण तत्व होगा।÷ ऊर्जा भविष्य, और इस साझेदारी के साथ, हम स्वच्छ और अधिक लचीले ऊर्जा परिदृश्य में योगदान करते हुए, ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का पता लगाएंगे और लागू करेंगे। एनजीईएल के माध्यम से, हम अपने हरित ऊर्जा पोर्टफोलियो का विस्तार करने के लिए समर्पित हैं द्य नायरा एनर्जी के सीईओ डॉ. एलोइस विराग ने ग्रीन हाइड्रोजन के लिए एनटीपीसी के प्रयासों की सराहना करते हुए बताया कि, ÷ऊर्जा उद्योग में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में, नायरा एनर्जी में हमारे सभी व्यवसाय संचालन में पर्यावरणीय स्थिरता गहराई से अंतर्निहित है। आज, हम ग्रीन हाइड्रोजन की क्षमता का पता लगाने के लिए ग्रीन एनर्जी व्यवसाय में अग्रणी एनटीपीसी के साथ साझेदारी करके एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया गया है। यह सहयोग देश के ऊर्जा संक्रमण उद्देश्यों को प्राप्त करने में योगदान देगा।

राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने वार्ड कालोनियों के सौंदर्यीकरण कार्यों का किया भूमिपूजन

-संवाददाता-
कोरबा, 12 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।
नगर पालिक निगम कोरबा के कोसाबाड़ी जोनांतर्गत स्थित वार्ड क्र. 22 शिवाजीनगर के 02 स्थानों में विकास कार्यो का भूमिपूजन राजस्व एवं आपदां प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर राजकिशोर प्रसाद की अध्यक्षता तथा सभापति श्यामसुंदर सोनी की विशिष्ट आतिथ्य व मेयर इन काउंसिल के सदस्य, पार्षदगण, एल्डरमेनगण की उपस्थिति में किया गया। नगर पालिक निगम कोरबा के कोसाबाड़ी जोनांतर्गत शिवाजीनगर कालोनी में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने उक्त दोनों विकास कार्यो का विधिवत भूमिपूजन कर शिलान्यास पट्टिका का अनावरण किया व कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। वार्ड क्र. 22 अंतर्गत राजकुमारी गांगुली, ज्योति सिन्हा के घर के पास अधोसंरचना मद से 10 लाख 92 हजार रूपये की लागत से कलवर्ट एवं दशहरा मैदान के चारों ओर पेवर ब्लाक बिछाने के कार्य एवं वार्ड क्र. 22 एच.आई.जी कालोनी में अधोसंरचना मद से 09 लाख 20 हजार रूपये की लागत से पेवर ब्लाक बिछाने के कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोरबा क्षेत्र की जनता की छोटी-बड़ी सभी समस्याओं का निदान करना, उनकी प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है, मैंने जनता की समस्याओं को सदैव अपनी खुद की समस्या माना है तथा उनके निराकरण के लिए संघर्ष किया है। उन्होने कहा कि कोरबा की जनता ने लगातार अपना विश्वास मुझ पर व्यक्त किया है, उनका आशीर्वाद मुझे निरंतर प्राप्त हुआ है, जिसे मैं भुला नहीं सकता हूॅं। मैं कोरबा के नागरिक बंधुओं को पूर्ण रूप से आश्वस्त करना चाहता हूॅं कि उनके हितों के लिए मैंने सदैव संघर्ष किया है तथा भविष्य में भी उनके हितों को सर्वोच्च स्थान पर रखकर उनके हितों की रक्षा करूंगा। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि आज जो भूमिपूजन हो रहे विकास कार्यो की राशि नगर पालिक निगम कोरबा के सभी पार्षदों एवं एल्डरमेनगणों को 20-20 लाख रूपये विकास कार्य करने की स्वीकृति दी गई थी, जिसका प्रथम चरण में पार्षदों कों 08-08 लाख रूपये की कार्यादेश जारी हो चुके हैं तथा शेष बची हुई राशि 12-12 लाख रूपये की स्वीकृति शीघ्र दी जाएगी। इसी तरह एल्डरमेनों को भी प्रथम किश्त में 10-10 लाख रूपये की कार्यादेश जारी किया गया है, शेष 10-10 लाख रूपये अतिशीघ्र ही प्रदान की जाएगी। भूमिपूजन कार्यक्रम के अवसर पर सभापति श्यामसुंदर सोनी के साथ ही मेयर इन काउंसिल सदस्य संतोष राठौर, पार्षद अनुज जायसवाल, राजेन्द्र सूर्यवंशी, एल्डरमेन आरिफ खान, कुसुम द्विवेदी, आदि के साथ ही बड़ी संख्या में वार्ड के नागरिकगण उपस्थित थे।

कटघोरा वन मंडल क्षेत्र में दो दिन के अंतराल में हाथियों ने तीसरी महिला की ली जान

-संवाददाता-
कोरबा, 12 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले में हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है हर दूसरे तीसरे दिन हाथी किसी न किसी क्षेत्र में घुसकर जन-धन को हानि पहुंचा रहे हैं।इसी कड़ी में कटघोरा वन मंडल के पसान रेंज के अंतर्गत आने वाले ग्राम पनगांव में देर रात हाथियों का झुंड विचरण कर रहा था। वन विभाग ने इसके लिए गांव में मुनादी भी कराई थी लेकिन अलसुबह लगभग 4ः00 बजे 40 हाथियों का झुंड सीधे ग्राम में घुस गया और एक मकान को ध्वस्त कर दिया तब घर में 84 वर्षीय महिला बुद्ध कुंवर मौजूद थी जो भाग नहीं पाई। हाथी ने उक्त वृद्ध महिला को पटक-पटककर मौत के घाट उतार दिया जबकि घर में मौजूद अन्य लोग किसी तरह वहां से भाग कर अपनी जान बचाने में सफल रहे।

घटना की सूचना मिलते ही कटघोरा वन मंडल अधिकारी कुमार निशांत दलबल सहित मौके पर पहुंचे और मृतका के परिजनों को आर्थिक सहायता की राशि प्रदान की। हाथियों के झुंड की निगरानी के लिए वन विभाग की टीम अलग-अलग क्षेत्र में डेरा डाली हुई है। बताया जाता है कि 40 हाथियों का झुंड आसपास के इलाके में विचरण कर रहा है जिसमें से 07 हाथियों का झुंड कोरबी की ओर निकला है। हाथियों की निगरानी के लिए टीम लगातार प्रयास में जुटी हुई है। उल्लेखनीय है कि 02 दिन पहले ही हाथियों ने दो महिलाओं को मौत के घाट उतार दिया था। अब तक कटघोरा वन मंडल में हाथी हमले से तीन महिलाओं की मौत हो गई है। वनांचल क्षेत्र में लगातार हाथी हमले की बढ़ती घटनाओं ने ग्रामीणों को डाल दिया दहशत में द्य अब देखना होगा के लगातार किए जा रहे हाथियों के हमलों को रोकने के लिए वन विभाग क्या उपाय करती है या फिर ऐसे ही ग्रामीण अंचलों में हाथियों का कहर जारी रहेगा ?

नशे के सप्लाई चैन पर सूरजपुर पुलिस की बड़ी कार्यवाही

गांजा सप्लाई करने वाले 1 आरोपी को थाना जयनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर, 12 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।
बीते 10 जुलाई को थाना जयनगर पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर मोटर सायकल सहित आरोपी अफसर हसन व शाहिद आलम निवासी तेलईधार, थाना सीतापुर को पकडा था जिनके कब्जे से 3 किलो 130 ग्राम गांजा जप्त किया था, पूछताछ के बाद गांजा देने वाले व्यक्ति दीपक कुशवाहा निवासी केनापारा सीतापुर को पकड़ा गया और एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से पूछताछ की कड़ी में पत्थलगांव निवासी हरवंश सिंह भाटिया के द्वारा गांजा सप्लाई करना बताया गया था जो फरार था।

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर आई कल्याण एलिसेला ने अवैध नशे के कारोबार, नशे के सप्लाई चैन से जुड़े आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में थाना जयनगर पुलिस के द्वारा मुखबीर की सूचना पर दबिश देकर फरार आरोपी हरवंश सिंह भाटिया पिता स्व. जसवंत सिंह भाटिया उम्र 66 वर्ष निवासी पत्थलगांव भिलाई टांगर, थाना पत्थलगांव जिला जशपुर को पकड़ा और पूछताछ के बाद विधिवत् गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी जयनगर सरफराज फिरदौसी, एएसआई रघुवंश सिंह, प्रधान आरक्षक बृजकिशोर धुर्वा, आरक्षक विकास मिश्रा, सुरेश तिवारी सक्रिय रहे।

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता
लोक स्वास्थ्य यात्रिकी खण्ड बलरामपुर,जिला-बलरामपुर (छ0ग0)
पत्र क्रं. 4057 व.ले.लि./का.अ./लो.स्वा.यां.खं./2023 बलरामपुर दिनांक 11.9.2023

निविदा निरस्तीकरण सूचना

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर अंतर्गत निम्न निविदायें अपरिहार्य कारणों से निरस्त किये जाते हैं।

स.क्र.	सिस्टम क्रमांक	निविदा सूचना क्र./दिनांक	जी क्रमांक
1	134905	15/17.05.2023	01517
2	134906	15/17.05.2023	01517
3	134910	15/17.05.2023	01517
4	134911	15/17.05.2023	01517
5	134928	15/17.05.2023	01517
6	134930	15/17.05.2023	01517

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्त व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

जी.नं.-05259/4

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्या यांत्रिकी विभाग
खण्ड-बलरामपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिका निगम, अम्बिकापुर सरगुजा (छ0ग0)
क्रमांक /110/ ज.प्र.शा./ न.पा.नि./2023 अम्बिकापुर दिनांक11/09/2023

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिका निगम,अम्बिकापुर द्वारा 32 एमएम के राईजर पाईप (जी.आई) क्रय हेतु राशि 3.00 लाख की निविदा आमंत्रित की गई है। द्वितीय निविदा सम्बन्धी अन्य विस्तृत विवरण तथा शर्तों की जानकारी कार्यालयीन समयावधि में जल प्रदाय शाखा एवं निगम के वेबसाईट https://www.urbanecg.gov.in & https://www.uad.uad.cg.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर पालिका निगम अम्बिकापुर

महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में अभियान की शुरुआत में भारत का सामना थाईलैंड से होगा

रांची, 12 सितम्बर 2023। हॉकी-फेडरेशन एशियन हॉकी फेडरेशन और हॉकी इंडिया हॉकी इंडिया ने यहां रांची में 27 अक्टूबर से शुरू होने वाली महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम की घोषणा की। . टूर्नामेंट की शुरुआत मलेशिया और जापान के पहले गेम से होगी, जबकि मेजबान भारत शुरुआती दिन (27 अक्टूबर) का तीसरा गेम खेलेगा, जब वे मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम, रांची, झारखंड में थाईलैंड से भिड़ेंगे।

हॉकी-इंडिया हॉकी इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 में कोरिया, मलेशिया, थाईलैंड, जापान, चीन और भारत प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। छह टीमों का टूर्नामेंट शुरू होगा 27 अक्टूबर को और 5 नवंबर को समाप्त होगा। सभी टीमें वन पूल का हिस्सा हैं और शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी, जहां तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम चौथे स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेगी। दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें फाइनलिस्ट का फैसला करने के लिए एक-दूसरे से खेलेंगी।

डिफेंडिंग चैंपियन जापान को टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे शानदार टीम कोरिया से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा, जिसने 2010, 2011 और 2016 में टूर्नामेंट के छह में से तीन संस्करण जीते हैं। मेजबान भारत अच्छी फॉर्म में है - विशेष रूप से बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में ऐतिहासिक कांस्य और एफआईएच हॉकी महिला राष्ट्र कप स्पेन 2022 में खिताबी जीत के बाद। मेजबान टीम ने 2016 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती है और 2018 में उपविजेता रही। 27

अक्टूबर को थाईलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी और 2 नवंबर को ग्रुप चरण के आखिरी मैच में कोरिया से भिड़ेगी। हॉकी-महासंघ÷>एशियाई हॉकी महासंघ के अध्यक्ष, दातो फुमियो ओगुरा ने टिप्पणी की, यह एशियाई हॉकी समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, और हम प्रतिष्ठित महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में शीर्ष स्तर की हॉकी कार्रवाई देखने का उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं। मैं इस आयोजन की मेजबानी के लिए हॉकी-इंडिया हॉकी इंडिया की हार्दिक सराहना करना चाहता हूं और एशिया में हॉकी के विकास के लिए उनके अटूट समर्थन और प्रतिबद्धता के लिए भी। इसके अलावा, मैं महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी में उनके गर्मजोशी भरे आतिथ्य और उत्साह के लिए झारखंड राज्य के प्रति अपना आभार व्यक्त करना चाहता हूं। चेन्नई के बाद, हम हॉकी-इंडिया हॉकी इंडिया के उदार समर्थन से एक और शानदार आयोजन की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं।

इस अवसर पर, हॉकी-इंडिया हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, हमें एक और प्रमुख एशियाई टूर्नामेंट की मेजबानी करने पर गर्व है और मुझे यकीन है कि झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 कुछ शीर्ष महिलाओं के साथ एक शानदार प्रदर्शन होगा। विश्व की हॉकी टीमें टूर्नामेंट में भाग ले रही हैं। कार्यक्रम की घोषणा टूर्नामेंट से पहले अंतिम चरण की शुरुआत का संकेत देती है और हम इस असाधारण कार्यक्रम के शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकते। हॉकी-इंडिया हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, रांची में झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 की मेजबानी करना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। हम कुछ मजबूत टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे और मेरा मानना है कि यह तमाशा अधिक युवाओं को प्रेरित और प्रोत्साहित करेगा। झारखंड से इस खेल को अपनाने के लिए। भारतीय महिला हॉकी टीम रांची के निवासियों के लिए प्रदर्शन करने में बहुत सक्षम है और हम कुछ शानदार हॉकी देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।

अहमदाबाद में विश्व कप 2023 मैचों की सूची

अहमदाबाद ,12 सितम्बर 2023। अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम,जो वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है, आगामी आईसीसी विश्व कप 2023 में क्रिकेट गतिविधियों का केंद्र बनने के लिए तैयार है। रोस्टर में पांच महत्वपूर्ण मैचों के साथ, इस प्रतिष्ठित स्थल पर क्या उम्मीद की जाए, इसके बारे में आपकी मार्गदर्शिका यहां दी गई है। ग्रैंड ओपनर - इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड दिनांक 5 अक्टूबर समयः दोपहर 02:00 बजे टाइटन्स का संघर्ष - भारत बनाम पाकिस्तान दिनांकः 14 अक्टूबर समयः दोपहर 02:00 बजे ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड दिनांकः 4 नवंबर समयः दोपहर 02:00 बजे विज्ञापन अफ़ग़ानिस्तान बनाम दक्षिण अफ्रीका तारीखः 10 नवंबर समयः दोपहर 02:00 बजे द अल्टीमेट शोडाउन -वनडे वर्ल्ड कप 2023 फाइनल तारीखः 19 नवंबर समयः दोपहर 02:00 बजे अहमदाबाद, जिसे अक्सर भारत का क्रिकेट मक्का कहा जाता है, दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों के उत्साह को गले लगाने के लिए पूरी तरह तैयार है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अपनी विशाल बैठने की क्षमता के साथ, एक अद्वितीय क्रिकेट अनुभव का वादा करता है।

आईसीसी विश्व कप 2023 सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है; यह कौशल, समर्पण और जुनून का नजारा है। और जब ये रोमांचक मैच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होंगे, तो क्रिकेट जगत अपनी सीटों पर झूम उठेगा। अपने कैलेंडर चिह्नित करें, क्योंकि ये मैच इतिहास रचने के लिए तैयार हैं, और आप कार्रवाई का एक क्षण भी चूकना नहीं चाहेंगे। चाहे वह चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच जोरदार मुकाबला हो या ग्रैंड फिनाले, इस प्रतिष्ठित स्टेडियम का माहौल शानदार होगा।

सीधा रन अप और आक्रामक लय वनडे में मेरी सफलता की कुंजी

नई दिल्ली, 12 सितम्बर 2023। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव का मानना है कि सीधे रन अप सहित तकनीक में कुछ बदलाव से उन्हें गेंदबाजी में सुधार करने और वनडे क्रिकेट में सफलता हासिल करने में मदद मिली।

इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने इस साल 14 मैचों में 27 विकेट लिए हैं और वह इस वर्ष वनडे में सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज हैं। कुलदीप ने एशिया कप सुपर चार में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की 228 रन से जीत के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा,'' पिछले साल घुटने के ऑपरेशन के बाद मेरा रन अप काफी हद तक सीधा हो गया और मेरी लय आक्रामक हो गई।

पहले गेंद छोड़ने के बाद मेरा हाथ नीचे गिर जाता था लेकिन अब ऐसा नहीं होता है। अब मेरा हाथ बल्लेबाज के सामने होता है।'' कुलदीप ने कहा कि ऑपरेशन के बाद अपनी दक्षता बढ़ाने के लिए उन्होंने 'स्पिन और ड्रिफ्ट' पर काम किया।

उन्होंने कहा,'' मैंने इस पर पूरा ध्यान

दिया कि मैं अपनी गति खोए बिना अपनी स्पिन और ड्रिफ्ट को बरकरार रखूं। अगर कोई लेग स्पिनर गेंद को गुड लेंथ पर पिच कराता है तो वह फिर लगातार विकेट हासिल कर सकता है। ऐसे में ढीली गेंदों की संख्या कम हो जाएगी और आपके प्रदर्शन में निरंतरता रहेगी।''

कुलदीप ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच में 25 रन देकर पांच विकेट लिए जिससे भारत बड़ी जीत हासिल करने में सफल रहा। कुलदीप ने कहा के वह अपने इस प्रदर्शन को हमेशा याद रखेंगे क्योंकि उन्होंने इसे एक चोटी की टीम के खिलाफ हासिल किया है। उन्होंने कहा,'' संन्यास लेने के बाद मैं हमेशा इस बात को याद रखूंगा कि मैंने पाकिस्तान के खिलाफ पांच विकेट लिए थे। यह मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है क्योंकि पाकिस्तान के बल्लेबाज स्पिन को अच्छी तरह से खेल सकते हैं।अगर आप एक ऐसी टीम के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं जो कि उपमहाद्वीप में स्पिन को अच्छी तरह से खेलती हो तो फिर इससे आप का मनोबल बढ़ता है।

सौराष्ट्र के पूर्व क्रिकेटर धर्मराजसिंह जडेजा का कैंसर से जूझने के बाद निधन

सौराष्ट्र ,12 सितम्बर 2023। सौराष्ट्र के पूर्व क्रिकेटर धर्मराजसिंह जडेजा का लंबे समय तक कैंसर से जूझने के बाद यहां निधन हो गया। वह 65 वर्ष के थे। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ की विज्ञप्ति के अनुसार धर्मराजसिंह ने 1976-77 से लेकर 1983-84 तक 17 प्रथम श्रेणी मैच खेले जिसमें उन्होंने बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी से 34 विकेट लिए। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में 16 मैचों में सौराष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया। वह सौराष्ट्र के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर राजेंद्रसिंह जडेजा के छोटे भाई थे। राजेंद्रसिंह ने अपने करियर में 50 प्रथम श्रेणी मैच और 11 लिस्ट ए मैच खेले थे। उनका 2021 में निधन हो गया था।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना भी जमकर खेला पुर्तगाल

यूरोपीय चैंपियनशिप क्वॉलीफाइंग में लक्जमबर्ग को 9-0 से रौंदा

वाशिंगटन, 12 सितम्बर 2023। पुर्तगाल ने अपने स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना भी यूरोपीय चैंपियनशिप क्वालीफाइंग में लक्जमबर्ग को 9-0 से करारी शिकस्त देकर प्रतिस्पर्धी फुटबॉल में अपनी अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। रोनाल्डो ग्रुप जे के पिछले मैच में दो पीले कार्ड मिलने के कारण एक मैच का निलंबन झेल रहे थे और इस कारण वह लक्जमबर्ग के

खिलाफ मैदान पर नहीं उतर पाए। पुर्तगाल को हालांकि इस मैच में उनकी कमी नहीं खली। अल्गार्वे में खेले गए इस मैच में उसकी तरफ से गोंकालो रामोस, गोंकालो इनासियो और डिओगो जोटा ने दो-दो जबकि रिकार्डो होर्टा, ब्रूनो फर्नांडीस और जोआओ फेलिक्स ने एक-एक गोल किया।

अड़तीस वर्षीय रोनाल्डो ने अपने 123 अंतरराष्ट्रीय गोल में इजाफा करने का बेहतरीन मौका गंवाया लेकिन उन्हें ग्रुप चरण में अभी चार और मौके मिलेंगे। पुर्तगाल की यह लगातार छठी जीत है। क्वालीफाइंग में किसी भी अन्य टीम ने इतनी जीत दर्ज नहीं की हैं। पुर्तगाल अब दूसरे नंबर पर काबिज स्लोवाकिया से पांच अंक आगे हो गया है। प्रत्येक ग्रुप से चोटी पर रहने वाली दो टीमें स्वतः ही क्वालीफाई करेंगी।

यूरोपीय चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग में सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड अब भी जर्मनी के नाम है जिसने 2006 में सैन मेरिनो को 13-0 से हराया था। ग्रुप के अन्य मैचों में स्लोवाकिया ने लिचेंटसीन को 3-0 से और आइसलैंड ने बोस्निया-हर्जेगोविना को 1-0 से हराया। इस बीच ग्रुप डी में क्रोएशिया ने आर्मेनिया को 1-0 से हराया। उसकी तरफ से आंद्रे क्रामारिच ने 13वें मिनट में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इस जीत से क्रोएशिया ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गया है। इसी ग्रुप के एक अन्य मैच में वेल्स ने लाटविया को 2-0 से पराजित किया।

नोवाक जोकोविच को था 24 वां ग्रेंडस्लैम जीतने का भरोसा

न्यूयॉर्क, 12 सितम्बर 2023। आम टेनिस प्रेमी की धारणा थी कि नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल और रोजर फेडरर अब नए खिलाड़ियों के लिए मंच छोड़ देंगे और ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिता में दुनिया को नए चैंपियन देखने को मिलेंगे। फेडरर संन्यास ले चुके हैं और नडाल कूल्हे की परेशानी के कारण इस सत्र में अधिकतर प्रतियोगिताओं में नहीं खेल पाए लेकिन जोकोविच ने 36 साल की उम्र में भी अपना दबदबा बरकरार रखा है।

जोकोविच ने रविवार को अमेरिकी ओपन फाइनल में दानिल मेदवेदेव को6-3, 7-6 (5), 6-3 से हराकर रिकॉर्ड 24वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीता। टेनिस इतिहास में सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम जीतने के मामले में अब वह महिला टेनिस खिलाड़ी मार्गरेट कोर्ट की बराबरी पर पहुंच गए हैं। जोकोविच इस जीत से फिर से दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी भी बन गए हैं। जोकोविच से पूछा गया कि क्या उन्हें नई पीढ़ी के खिलाफ भी अपना पुराना प्रदर्शन जारी रखना असामान्य नहीं लगता, उन्होंने कहा,''नहीं, कतई नहीं। और किसी को इस पर हैरान भी नहीं होना चाहिए।''

उन्होंने कहा,''यह कहना अहंकार पूर्ण लग सकता है लेकिन मैं वास्तव में हैरान नहीं क्योंकि मैं जानता हूं कि इसके लिए मैंने कितनी कड़ी मेहनत की है, कितना समर्पण किया है और कितनी ऊर्जा लगाई है। इसलिए मैं जानता हूं कि मैं इसका हकदार हूं। मुझे हमेशा खुद पर और अपनी क्षमताओं, अपने कौशल पर भरोसा रहा।'' जोकोविच ने कहा ,''इसलिए ईमानदारी से कहूं तो मैं वास्तव में हैरान नहीं हूं क्योंकि मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं शारीरिक रूप से फिट हूं और पहले की तरह तैयारियां कर रहा हूं।''

त्वेसा,रिधिमा फिर से मैदान में

स्नेहा डब्ल्यूपीजीटी में और अधिक सफलता की तलाश में है

गुरुग्राम, 12 सितम्बर 2023। महिला प्रो गोल्फ टूर पर ऑर्डर ऑफ मेरिट लीडर स्नेहा सिंह, ब्रेक के बाद टूर फिर से शुरू होने पर प्रमुख दावेदारों में से एक होंगी। पिछले 11 मुकाबलों में एक से अधिक बार जीत हासिल करने वाली दो खिलाड़ियों में से एक स्नेहा को इस सीज़न की दो बार की विजेता गौरिका बिश्नोई, त्वेसा मलिक, रिधिमा दिलावरी और सहर अटवाल सहित अन्य से चुनौती का सामना करना पड़ेगा। त्वेसा, रिधिमा और सहर भी मिश्रित परिणामों के साथ लेडीज यूरोपियन टूर पर खेल रही हैं और अगले महीने होने वाले प्रमुख कार्यक्रम, महिला इंडियन ओपन से पहले, इस महीने होने वाली तीन प्रतियोगिताओं में खुद को तैयार करना चाहेंगी।

त्वेसा, जिनका यूरोप में 2022 में अच्छा सीजन नहीं रहा था, अपनी फॉर्म पाने के लिए घरेलू टूर पर खेल रही हैं, जिसने उन्हें 2021 में देखने लायक खिलाड़ी बना दिया है। उन्होंने बेंगलुरु में 11वां चरण जीता और दूसरे चरण का इंतजार करेंगी। मजबूत प्रदर्शन. इस बीच, रिधिमा और सहर इस सप्ताह एलईटी से जुड़ी निराशाओं को दूर कर भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो जाएंगी। इस सीज़न में नए पेशेवरों की आमद के साथ यह क्षेत्र काफी बड़ा हो गया है, जिसमें छह शौकिया सहित 40 खिलाड़ी होंगे। क्षेत्र के 40 तक विस्तार के साथ, इस सप्ताह पुरस्कार राशि 12 लाख रुपये होगी। एमेच्योर में निश्ना पटेल शामिल हैं, जिनका सीजन अच्छा रहा है, जिसमें इस साल की शुरुआत में मनीला में एशिया पैसिफिक जूनियर्स में उपविजेता रहना भी शामिल है। एक और शौकिया खिलाड़ी जिस पर निगाहें रहेंगी वह सानवी सोमू होंगी, जो टूर के नौवें और 10वें चरण में उपविजेता रहीं। एमेच्योर इस सीज़न में दमदार प्रदर्शन कर रहे हैं और विधात्री उर्स, जो इस सप्ताह नहीं खेल रही हैं, ने नौवां चरण भी जीता। यह भारतीय गोल्फरों के लिए एक व्यस्त महीना होगा, क्योंकि वे तीन इवेंट खेलेंगे और फिर एलईटी इवेंट, हीरो महिला इंडियन ओपन, जहां कई अन्य बड़े नाम उनके साथ जुड़ेंगे। गोल्डन ग्रीन्स गोल्फ क्लब, गुरुग्राम में हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर के 12वें चरण के राउंड 1 के लिए टी टाइमः टी 1 1. सुबह 8:00 बजेः रिया झा, स्निग्धा गोस्वामी 2. सुबह 8:10 बजे : गौरिका बिश्नोई, स्मृति भार्गव (ए) 3. सुबह 8:20 बजे जैस्मीन शेखर, हितैषी बख्शी, ईश्वरी प्रसन्ना 4. सुबह 8:30 बजे : त्वेसा मलिक, सहर अटवाल, अस्मिथा सतीश 5. सुबह 8:40 बजे रवजोत के दोसांझ, सानवी सोमू (ए), नेहा त्रिपाठी 6. सुबह 8:50 बजे रिया यादव, निष्ना पटेल (ए), रिया पूर्वी सरवनन 7. सुबह 9:00 बजे लावण्या जादोन (ए), रिधिमा दिलावरी, श्वेता मानसिंह 8. सुबह 9:10 बजे खुशी खानिजौ, शगुन नारायण, स्नेहा सिंह टी 10 9. सुबह 8:00 बजे अनीशा अग्रवाल, गौरी करहाडे, यालिसाई वर्मा 10. सुबह 8:10 बजे सानिया शर्मा, खुशी, त्रिमन सलूजा 11. सुबह 8:20 बजे कृति चौहान, रिया जादोन (ए), नयनिका सांगा 12. सुबह 8:30 बजे करिश्मा गोविंद, गीतिका आहूजा, अग्रिमा मनराल 13. सुबह 8:40 बजे अनन्या दातार, नंदिता कुमार (ए), दुर्गा नित्तूर 14. सुबह 8:50 बजे- सचिका सिंह, ज्योत्सना सिंह, सुचित्रा रमेश।

रऊफ और नसीम का एशिया कप के बाकी मैचों में खेलना संदिग्ध

दहानी और जमान पाक टीम में शामिल

करांची, 12 सितम्बर 2023। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ और नसीम शाह का एशिया कप एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के बाकी बचे मैचों में खेलना संदिग्ध है। यह दोनों खिलाड़ी भारत के खिलाफ सुपर चार के मैच के दौरान चोटिल हो गए थे।

पाकिस्तानी टीम प्रबंधन ने कहा कि शाहनवाज दहानी और जमान खान को एहतियात के तौर पर रऊफ और नसीम के बैकअप के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। पाकिस्तान की टीम के बयान में कहा गया है ,''पाकिस्तान ने शाहनवाज दहानी और जमान खान को बैकअप के रूप में टीम में शामिल किया है। हारिस रऊफ और नसीम शाह के भारत के खिलाफ मैच में चोटिल होने के कारण यह फैसला किया गया।'' टीम प्रबंधन ने कहा,'' ऐसा अगले महीने शुरू होने वाले वनडे विश्वकप से पहले खिलाड़ियों की फिटनेस को ध्यान में रखते हुए एहतियात के तौर पर किया गया है।''

रऊफ ने रविवार को पांच ओवर किए थे लेकिन सोमवार को रिजर्व दिन पर जब खेल शुरू हुआ तो वह मैदान पर नहीं उतरे। वह बाद में बल्लेबाजी के लिए भी नहीं आए। नसीम ने अपने कोटे के 10 ओवर पूरे किए लेकिन वह भारतीय पारी के 49वें ओवर के दौरान मैदान छोड़कर चले गए थे। उनके हाथ में चोट लगी है और वह भी बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे।

पाकिस्तान की पारी आठ विकेट पर 128 रन पर समाप्त हो गई और इस तरह से भारत ने रिकॉर्ड 228 रन से जीत दर्ज की। पाकिस्तान को अपना अगला मैच गुरुवार को श्रीलंका के खिलाफ खेलना है और अगर वह क्वालीफाई कर जाता है तो फाइनल रविवार को खेला जाएगा।

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पा 2-द रूल की रिलीज डेट आखिरकार सामने आ गई है. यह फिल्म 15 अगस्त, 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी. हाल में मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट करते हुए एक ऑफिशियल पोस्टर जारी किया गया, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. देशभर के दर्शक आइकोनिक पुष्पा-द राइज के सीक्वल की रिलीज डेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. अल्लू अर्जुन ने हाल ही में 69वें नेशनल अवॉर्ड में पुष्पा के किरदार के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड जीता है. उनके फैंस का उत्साह पुष्पा 2 की शूटिंग की झलकियों के साथ चरम पर है, जिसे अल्लू अर्जुन ने इंस्टाग्राम के सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले वैश्विक हैंडल पर शेयर किया है. न सिर्फ दर्शक, बल्कि ट्रेड जगत भी पुष्पा 2 के पूरे भारत के सिनेमाघरों में आने वाले दर्शकों के इंतज़ार में है.

पुष्पा- द राइज़ ने बॉक्स ऑफिस पर एक ऐतिहासिक लहर पैदा की थी और यह महामारी के बाद की टर्नअराउंड फिल्म थी जिसने दर्शकों को सिनेमाघरों में वापस लाया था. फिल्म ने अपने जबरदस्त डायलॉग्स, कहानी और दिल जीतने वाले गाने से पूरे देश में धूम मचा दी है.पुष्पराज का अल्लू अर्जुन द्वारा निभाया गया किरदार भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे ज्यादा प्यार पाने वाले किरदारों में से एक बन गया है, क्योंकि वह हर भाषा या तबके के लोगों के बीच लोकप्रिय हो गया है. जाने माने निर्देशक सुकुमार द्वारा बनाई गई दुनिया ने कल्ट का स्टेटस हासिल किया है, जिसे और भी बड़े सीक्वल के लिए तैयार किया गया है.

पुष्पा 2-द रूल दुनिया भर में कई भाषाओं में सिनेमा स्क्रीन पर रिलीज होगी. मेस्ट्रो सुकुमार द्वारा निर्देशित, माइथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में आइकन स्टार अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल मुख्य भूमिका में हैं. फिल्म में नेशनल अवॉर्ड विनर देवी श्री प्रसाद में म्यूजिक दिया है.

थलपती विजय की लियो ने बनाया यूके में रिकार्ड

थलपती विजय साउथ सिनेमा का एक ऐसा नाम जिसे शायद किसी परिचय की जरूरत नहीं है.उनके फैंस को उनकी हर फिल्म का बेसब्री से इंतजार रहता है.उनकी एक झलक पाने के लिए उनके फैंस कभी कोई मौका नहीं छोड़ते. ऐसे में उनकी एक और फिल्म लियो रिलीज होने वाली है. इस फिल्म ने यूके में रिलीज से पहले ही तहलका मचा दिया है. थलपती विजय के स्टारडम का पता इसी से लग जाता है कि उनकी फिल्म लियो ने यूके में रिलीज से 42 दिन पहले ही दस हजार टिकट बुक होने का रिकार्ड अपने नाम कर लिया है. फिल्म 19 अक्टूबर को रिलीज होनी है जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है.फिल्म की दिवानगी देख कर इतना तो पता लग गया कि यह फिल्म साउथ की कोई आम फिल्म नहीं है.

फिल्म में संजय दत्त का भी रोल है जिससे फिल्म कि उत्सुकता और ज्यादा बढ़ जाती है,संजय दत्त का धांसू लुक फिल्म में एक्शन को चार चाँद लगाने के लिए काफी होगा.यूके के साथ-साथ भारत में भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के लिए अपना पूरा दम दिखाएगी.

फैंस कि अगर माने तो यह फिल्म सभी फिल्मों के रिकार्ड तोड़ देगी.ऐसा भी अंदाज लगाया जा रहा है कि इस फिल्म के बाद विजय एक और फिल्म करके ऐक्टिंग से नाता तोड़ राजनीति में चले जाएंगे लेकिन इसकी अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.

फिल्म में जहां लीड रोल में विजय थलपती है तो वहीं साउथ कि एक्ट्रेस तृषा भी इसमे नजर आने वाली है.संजय दत्त का तो हम आपको बता ही चुके हैं इसके अलावा फिल्म में अर्जुन,गौतम वासुदेव मेनन,मिसकीन,प्रिया आनंद और किरन राठौड़ मुख्य भूमिका में नजर आएंगे.

राजवीर देओल और पालोमा की सादगी और आकर्षण ने दिल जीता

अवनीश बड़जात्या निर्देशित पहली फिल्म दोनों का ट्रेलर रिलीज होने के साथ ही इंटरनेट पर खूब प्यार बटोर रहा है। इस फिल्म से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाले राजवीर देओल और पलोमा को भी उनकी सादगी और आकर्षण के लिए काफी सराहना मिली।

खैर, नेटिज़न्स को ट्रेलर में देखी गई यह ताज़ा ऑन-स्क्रीन जोड़ी पसंद आ रही है। लोग अवनीश की तारीफ करते नहीं चूक रहे हैं उनका मानना है कि अवनीश ने राजश्री के फॅमिली ओरिएंटेड फिल्म की परम्परा को बरक़रार रखा है। हलाकि दोनों का ट्रेलर लांच किसी फॅमिली सेलिब्रेशन से काम नहीं था जहाँ पलोमा के साथ कुछ भावनात्मक क्षण आए, जबकि उनकी मां पूनम ढिल्लों को गर्व महसूस हुआ। जहां सनी देओल बहुत खुश लग रहे थे, वहीं राजवीर काफी अभिभूत थे, लेकिन कुल मिलाकर, मेघना और देव को प्रशंसकों ने मंजूरी दे दी है। 15 अगस्त को राजश्री प्रोडक्शन के 76 साल पुरे हो रहे हैं, और दोनों यह राजश्री की सेलिब्रेशन फिल्म है। देश का सबसे पुराना प्रोडक्शन हाउस अपनी विरासत को आगे बढ़ा रहा है क्योंकि अब राजश्री की चौथी पीढ़ी औउइसके कमान को संभालने के लिए पूरी तरह तैयार है। राजश्री प्रोडक्शंस (पी) लिमिटेड अपनी 59वी फिल्म जियो स्टूडियोज के सहयोग से प्रस्तुत कर रहे हैं दोनों जिसका निर्देशन अवनीश एस बड़जात्या ने किया हैं, वहीं कमल कुमार बड़जात्या, स्वर्गीय राजकुमार बड़जात्या और अजीत कुमार बड़जात्या ने इस फिल्म को प्रोड्यूस किया है। फिल्म के लिए क्रिएटिव प्रोडक्शन का नेतृत्व सूरज आर. बड़जात्या कर रहे हैं। दोनों 5 अक्टूबर को सिनेमा में रिलीज हो रही है।

व्यवसायियों के लिए मुख्यमंत्री की बड़ी घोषणा

» भूपेश ने कमर्शियल हब,एरोसिटी शहीद स्मारक की नींव रखी

» बघेल ने कहा; राज्य में उद्योगों को मिल रहा है एक बेहतर वातावरण

रायपुर,12 सितम्बर 2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज नवा रायपुर अटलनगर के सेक्टर-35 में आयोजित समारोह में तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं 'कमर्शियल हब', एरोसिटी और 'शहीद स्मारक' का भूमिपूजन और शिलान्यास किया।
मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने इस मौके पर अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन बहुत विशेष है क्योंकि देश के सबसे बड़े थोक व्यवसायिक बाजार का शिलान्यास आज छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में हो रहा है जिससे राज्य के लाखों लोगों को रोजगार भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले भविष्य को देखते हुए ये भूमिपूजन, शिलान्यास और लोकर्पण किए जा रहे हैं, राज्य के लोगों की हमसे अपेक्षाएं थीं जिसे साकार करने के लिए हमने एक मजबूत कदम आगे बढ़ाया है। श्री बघेल बोले सरकार की जिम्मेदारी है कि वो लोगों को आगे बढ़ने के लिए बेहतर वातावरण तैयार कर सके और हमने राज्य के किसानों के लिए ऐसा ही वातावरण तैयार किया है. इसके साथ ही स्कूली शिक्षा में सुधार, छत्तीसगढ़ की संस्कृति व पर्यटन को बढ़ावा देने का वातावरण भी हमने तैयार किया है।
सीएम ने कहा कि हम उद्योग को भी एक वातावरण देने की कोशिश कर रहे हैं जिसके लिए मैने व्यवसायियों से कहा था कि छत्तीसगढ़ की उद्योग नीति को सबसे बेहतर बनाना है और इस प्रयास से प्रदेश में उद्योगों की संख्या बढ़ी है व लोगों को रोजगार मिला है।

कमर्शियल हब में 540 रूपए वर्गफीट में मिलेगा भूखण्ड

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों की मांग पर एक बड़ी घोषणा करते हुए नवा रायपुर के कमर्शियल हब में 540 रूपए वर्गफीट में व्यवसायियों को भूखण्ड आवंटित करने की बात कही। उन्होने कहा कि इसकी वजह से कमर्शियल हब के निर्माण में लगने वाली अतिरिक्त राशि की वहन राज्य सरकार करेगी।
नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण क्षेत्र अंतर्गत विविध कार्यो के इस शिलान्यास कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आवास एवं पर्यावरण मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में आम लोगों को आर्थिक मजबूती प्रदान करने का काम कर रही है. उन्होने कहा कि सरकार की ये प्राथमिकता है कि लोगों को रोजगार उपलब्ध हो ताकि छत्तीसगढ़ का लगातार विकास होता रहे।
नवा रायपुर में निवेश, बसाहट और वाणिज्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेक्टर-23, 24, 34, 35 और 40 में 1083 एकड़ में 'कमर्शियल हब' विकसित किया जा रहा है। इसी तरह नवा रायपुर के लेयर-3 में यात्री सुविधाओं को बढ़ावा देने, एयरपोर्ट क्षेत्र के वाणिज्यिक विकास तथा रोजगार सृजन हेतु स्वामी विवेकानंद विमानतल के निकट ग्राम बरोदा एवं रमचण्डी के चिन्हांकित 216.63 एकड़ में 'एरोसिटी' विकसित की जा रही है।
'शहीद स्मारक' की स्थापना नवा रायपुर के ग्राम परसदा (सेक्टर-3) में व्हीआईपी बटालियन में 13 एकड़ में की जा रही है। इस दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री रविन्द्र चौबे, विधायक धनेन्द्र साहू, मुख्यमंत्री के विशेष सलाहकार डॉ. राकेश गुप्ता तथा छत्तीसगढ़ चैंबर आफ कामर्स के पदाधिकारी उपस्थित थे।

सूर्यकांत तिवारी के भाई की हो सकती है गिरफ्तारी

हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका पर किया सुनवाई से इनकार

बिलासपुर,12 सितम्बर 2023(ए)।
आबकारी घोटाले में आरोपी सूर्यकांत तिवारी के भाई रजनीकांत तिवारी की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई से जस्टिस राकेश मोहन पांडेय की बेंच ने इंकार कर दिया। अब यह मामला चीफ जस्टिस की अनुमति से दूसरे बेंच में भेजा जा सकता है। मालूम हो कि 2100 करोड़ रुपये के आबकारी घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने कारोबारी सूर्यकांत तिवारी के भाई रजनीकांत तिवारी को भी आरोपी बनाया है। गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी, जो जस्टिस पांडेय की बेंच में सुनवाई के लिए रखा गया था। जस्टिस पांडेय ने इसे सुनने से इंकार कर दिया। इसके पहले इसी प्रकरण में जस्टिस पांडेय सुनील कुमार अग्रवाल व सौम्या चौरसिया की जमानत याचिका की सुनवाई करने से भी इंकार कर चुके हैं।

चुनाव वाले 6 राज्यों में भूपेश बघेल सबसे लोकप्रिय सीएम

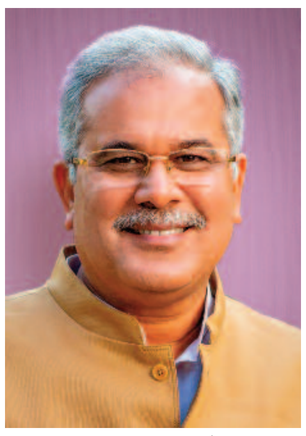

रायपुर,12 सितम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल विधानसभा चुनाव का सामना करने वाले मुख्यमंत्रियों में सबसे लोकप्रिय हैं। आईएएनएस सीवोटर एंगर इंडेक्स के अनुसार, चुनावी राज्यों में बघेल को सबसे कम गुस्से का सामना करना पड़ता है, जिसका मतलब यह भी है कि वह इनमें से सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री हैं। राज्य स्तर के शासन से नाराज हर 100 मतदाताओं में से बघेल से नाराज लोगों की संख्या सबसे कम 25.4 प्रतिशत है। मतदाता सबसे ज्यादा तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के प्रति गुस्से में हैं (50.2), उनके बाद राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत (49.2)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी का स्कोर 35.1 प्रतिशत है, जबकि मध्य प्रदेश के शिवराज सिंह चौहान का स्कोर 27 प्रतिशत है। मिजोरम के सीएम ज़ोरमथांगा का स्कोर 37.1 प्रतिशत है।
आईएएनएस सीवोटर एंगर इंडेक्स के अनुसार, जिन छह राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं, उनमें तेलंगाना, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश की सरकारों के खिलाफ लोगों का गुस्सा सबसे ज्यादा है, जबकि मतदाता तेलंगाना और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों से सबसे ज्यादा नाराज हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में तेलंगाना में मौजूदा विधायकों को मतदाताओं के सबसे कम गुस्से का सामना करना पड़ेगा। तेलंगाना और राजस्थान के सीएम को मौजूदा विधायकों की तुलना में बहुत अधिक क्रोध सूचकांक स्कोर का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, तस्वीर उलट गई है, क्योंकि छत्तीसगढ़ में 44 प्रतिशत मतदाता मौजूदा विधायकों से नाराज हैं। तेलंगाना में केवल 27.6 और राजस्थान में केवल 28.3 प्रतिशत मतदाता मौजूदा विधायकों से नाराज हैं। आंध्र में 44.9, मिजोरम में 41.2 और मध्य प्रदेश में 40.4 प्रतिशत मतदाता मौजूदा विधायकों से बेहद नाराज हैं।

40 सीटों पर नए चेहरों को टिकट दे रही कांग्रेस

रायपुर,12 सितम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के टिकट वितरण को लेकर मंत्री रविंद्र चौबे ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 2018 की कांग्रेस लहर में हारने वालों को टिकट नहीं दिया जाएगा, वहां कांग्रेस युवाओं और महिलाओं को मौका देगी. इसके अलावा कई सिटिंग विधायकों की भी टिकट कटेगी. इस तरह से लगभग 40 सीटों पर कांग्रेस नए चेहरों को टिकट देगी. इस संबंध में वरिष्ठ नेताओं की बैठक में सहमति बन गई है। भूपेश सरकार में मंत्री रविंद्र चौबे ने मीडिया से चर्चा में कांग्रेस के विभिन्न समितियों के गठन को लेकर कहा कि विधानसभा चुनाव आ गया है। मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद अचार संहिता लगेगी. हर राजनीतिक दल लड़ने के लिए अपनी तैयारियां करती है, इस लिहाज से कल हाईकमान ने कांग्रेस की चार प्रमुख समिति बनाई है. इसमें चुनाव अभियान समिति सबसे महत्वपूर्ण है, जिसमें विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत जी को जिम्मेदारी दी गई है। चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी है, इसमें सबसे महत्वपूर्ण कोर ग्रुप कमेटी है, जिसकी अध्यक्षता प्रभारी सैलजा करेंगी, जो बहुत प्रभावशाली रहेगा ।

छत्तीसगढ़ में रंगीन मशरूम की धूम

» कैंसर से लड़ेगा गुलाबी,पीला भी उगा

रायपुर,12 सितम्बर 2023 (ए)। लक्ष्मी कुमार छत्तीसगढ़ के रंगीन मशरूम अब देश के कई राज्यों में धाक जमाने लगे हैं। दरअसल लॉकडाउन के दौरान यहां के किसानों ने मशरूम के रंग पर मेहनत की और पिंक (गुलाबी) तथा यलो (पीला) मशरूम उगाने में कामयाब हो गए।
तमिलनाडू यूनिवर्सिटी की रिसर्च में पिंक मशरूम में कैंसर सेल्स से लड़ने वाले गुण भी सामने आ गए हैं। रंगीन मशरूम पैरे के बेस पर नवा रायपुर में तेंदुआ के अलावा अभनपुर, बसना, धमतरी और राजनांदगांव में पैदा किए जा रहे हैं।
शहर के बड़े होटलों के अलावा अब इन्हें महाराष्ट्र में पुणे, बिहार तथा उत्तरप्रदेश के कई शहरों में भेजा जा रहा है। तमिलनाडू के सलेम शहर में पेरियार यूनिवर्सिटी ने छत्तीसगढ़ के गुलाबी और पीले मशरूम पर रिसच की है। डिपार्टमेंट ऑफ बॉयोकेमिस्ट्री के पीएचडी रिसर्च स्कॉलर अमल जनार्दनम ने अपने रिसर्च में पाया कि इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी तत्व हैं। शरीर का इम्यून सिस्टम जब सही ढंग से काम नहीं कर पाता, तो इस स्थिति में इंफ्लेमेशन कम होने लगता है। जबकि ऑटो इम्यून रिस्पांस को ठीक रखने के लिए इंफ्लेमेशन का ठीक रहना जरूरी है। पिंक मशरूम में इंफ्लेमेशन को ही बूस्ट करने के गुण पाए गए हैं। इसीलिए रंगीन मशरूम कई बीमारियों के साथ कैंसर में भी राहत दे रहे हैं।

चेकिंग के दौरान गाड़ी से मिले 1 करोड़ 80 लाख के सोने-चांदी के जेवर

» पूछताछ में हो सकता है बड़ा खुलासा

जांजगीर-चांपा.,12 सितम्बर 2023(ए)। चांपा पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान अलग-अलग चेकिंग पॉइंट्स पर दो वाहनो से सोना, चांदी के जेवर जब्त किया है. इस में 2.11 किलो सोना और 75.41 चांदी का जेवर बरामद किया गया है. जब्त किये गए जेवर की कीमती 1 करोड़ 80 लाख 17 हजार 960 रुपये है.
पुलिस द्वारा बरामद सोना-चांदी को धारा 102 सीआरपीसी के तहत जब्त किया गया है. कार्यपालिक मजिस्ट्रेट और जीएसटी विभाग को मामले की सूचना दे दी गई है. इस मामले में पुलिस ने शंकर लाल सोनी और सौरभ कुमार सराफ को गिरफ्तार भी किया है

स्वच्छता दीदियों के मानदेय में हुई वृद्धि

रायपुर,12 सितम्बर 2023(ए)। मुख्यमंत्री द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर स्वच्छता दीदियों के मानदेय में वृद्धि किए जाने की घोषणा पर अमल किया गया है। नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में मिशन क्लीन सिटी योजना अंतर्गत कार्यरत स्वच्छता दीदियों के माह सितम्बर 2023 से मानदेय वृद्धि अनुसार राज्य शासन ने आगामी एक वर्ष के लिए राशि की स्वीकृत जारी कर दी है।
ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री बघेल ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2023 को स्वच्छता दीदियों के मानदेय में वृद्धि की घोषणा की थी। राज्य शासन द्वारा स्वच्छता दीदियों के मानदेय में वृद्धि अनुसार 7200 रूपए के मान से 9232 मानव बल हेतु अगले एक वर्ष (01 अक्टूबर 2023 से 30 सितम्बर 2024 तक) के लिए मानदेय हेतु 79 करोड़ 76 लाख 44 हजार 800 रूपए की राशि की स्वीकृति प्रदान की गई। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा आज मंत्रालय से इस आशय का आदेश जारी कर दिया गया है। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा नगरीय निकायों को अनिवार्य देयताओं को पूरा करने के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 के चुंगी क्षतिपूर्ति मद की शेष राशि के अग्रिम आहरण हेतु तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

सीधी भर्ती के पदों पर स्टायपेंड का प्रावधान समाप्त

रायपुर,12 सितम्बर 2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा सीधी भर्ती के पदों पर तीन वर्ष की परिवीक्षा अवधि के दौरान पहले तीन वर्ष में वेतनमान के न्यूनतम 70, 80 और 90 प्रतिशत स्टायपेंड दिए जाने के प्रावधान को समाप्त करने की घोषणा के परिपालन में वित्त विभाग द्वारा आज आदेश जारी कर दिया गया है। वित्त निर्देश के उपरोक्त प्रावधान शासकीय विभाग, कार्यालयों के साथ सभी निगम, मंडल, आयोग, प्राधिकरण, विश्वविद्यालय, अनुदान प्राप्त स्वशासी संस्थाओं आदि में भी सीधी भर्ती के पद पर भर्ती पर लागू होगा। राज्य शासन द्वारा सीधी भर्ती से नियुक्ति पर परिवीक्षा अवधि में स्टायपेण्ड के प्रावधान को समाप्त कर, उस पद के वेतनमान के न्यूनतम वेतन पर वेतन निर्धारित किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसके लिए निम्नानुसार प्रावधान किये गए हैं सीधी भर्ती पर परिवीक्षावधि में उस पद के

वेतनमान के न्यूनतम वेतन दिये जाने का प्रावधान वित्त विभाग की पूर्व अधिसूचना 28 जुलाई 2020 से भूतलक्षी प्रभाव से लागू होंगे। 28 जुलाई 2020 से इस आदेश के जारी होने के मध्य नियुक्त शासकीय सेवकों का वेतन निर्धारण नियुक्ति दिनांक से काल्पनिक आधार पर किया जाकर वास्तविक आर्थिक लाभ इस आदेश दिनांक से प्राप्त होगा। इस प्रकार काल्पनिक आधार पर किये गये वेतन निर्धारण के फलस्वरूप किसी प्रकार के एरियर्स की राशि देय नहीं होगी।
इसी प्रकार विधिवत् विभागीय अनुमति प्राप्त कर, अन्य सेवा में आने वाले शासकीय सेवकों को जिनके द्वारा पूर्व पद से तकनीकी त्याग पत्र दिया गया है, को वेतन संरक्षण का लाभ मूलभूत नियमों के प्रावधानों के अनुरूप पूर्ववत् प्राप्त होगा। ऐसे प्रकरणों में सक्षम प्राधिकारी द्वारा नियुक्ति दिनांक से वेतन संरक्षण का लाभ दिया जा सकेगा किन्तु दिनांक 28 जुलाई 2020 से इस आदेश के जारी होने के मध्य नियुक्त शासकीय सेवकों के प्रकरणों में वेतन संरक्षण का निर्धारण काल्पनिक आधार पर किया जाकर वास्तविक आर्थिक लाभ इस आदेश दिनांक से प्राप्त होगा। इस प्रकार काल्पनिक आधार पर वेतन संरक्षण हेतु किये गये वेतन निर्धारण के फलस्वरूप किसी प्रकार के एरियर्स की राशि देय नहीं होगी।

आईएएस अवनीश शरण को राज्य सरकार ने सौंपी अतिरिक्त प्रभार

रायपुर,12 सितम्बर 2023(ए)। राज्य शासन द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के नवीन पदस्थापना आदेश जारी किया गया है. आदेश के अनुसार अवनीश कुमार शरण, भा.प्र.से. (2009), संचालक, तकनीकी शिक्षा, रोजगार एवं प्रशिक्षण को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी, छ.ग. राज्य कौशल विकास प्राधिकरण का अतिरिक्त प्रभार सौंपता है। वही सुश्री दिव्या उमेश मिश्रा, भा.प्र.से. (2012), संचालक, महिला एवं बाल विकास तथा अतिरिक्त प्रभार संयुक्त सचिव, उद्योग विभाग, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, छ.ग. राज्य कौशल विकास प्राधिकरण, संचालक, भौमिकी तथा खनिकर्म को केवल मुख्य कार्यपालन अधिकारी, छ.ग. राज्य कौशल विकास प्राधिकरण के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त करता है।

वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने जब्त किए 33 लाख नगद

7 हजार साड़ियां भी बरामद

बिलासपुर,12 सितम्बर 2023(ए)। विधानसभा चुनाव को लेकर बिलासपुर पुलिस चेकिंग अभियान चला रही है। इस दौरान संदिग्ध लगने वाले लोगों की चेकिंग की जा रही है । इसी कड़ी में शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चेकिंग की गई । इस दौरान पुलिस ने 33 लाख रुपेय नगद समेत करीब 7 हजार साड़ियां जब्त किया है। जानकारी के मुताबिक शहर के तारबाहर, सिविल लाइन, कोनी, चकरभाठा और सीपत थाना क्षेत्र में बीती रात अभियान चलाया गया । जिसमें पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग दौरान नगद और साड़ियां जब्त की गई । जिसमें सरकंडा थाना से 200 साड़ी, चकरभाठा से 719 साड़ी और 45 नग पेंट-शर्ट का कपड़ा, 20 नग सफारी का कपड़ा, सीपत से 102 साड़ी, समेत अन्य थाना क्षेत्र से भारी मात्रा में साड़ी जब्त की गई है।

जनसंपर्क विभाग के 14 अफसरों का प्रमोशन

सभी जनसंपर्क विभाग में है पदस्थ

रायपुर,12 सितम्बर 2023(ए)। जनसंपर्क विभाग में कार्यरत 10 अधिकारियों के प्रमोशन आदेश जारी हुए हैं इसके साथ ही पांच जनसंपर्क अधिकारियों के तबादला आदेश भी जारी हुए हैं। विभाग में कार्यरत 10 अधिकारियों को सहायक संचालकों से उपसंचालक व उप संचालकों को संयुक्त संचालक के पदों पर पदोन्नति दी गई है।

छत्तीसगढ़ में टीचर पोस्टिंग ऑर्डर पर हाईकोर्ट का स्टे

रायपुर,12 सितम्बर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में असिस्टेंट टीचर के प्रमोशन के बाद संशोधित पोस्टिंग निरस्त किए जाने को लेकर हाईकोर्ट ने शिक्षकों को बड़ी राहत दी है। सिंगल बेंच ने शिक्षकों की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार के आदेश पर स्थगन आदेश दिया है।
प्रमोशन के बाद संशोधित पदस्थापना में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी सामने आने के बाद शासन ने शिक्षकों के पदस्थापना आदेश को निरस्त कर दिया था, जिसके खिलाफ प्रभावित शिक्षकों ने याचिका दायर की है।
हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद ऐसे शिक्षक जो रिलीव नही हुए है वो अपने संशोधित पोस्टिंग वाली जगह पर बने रहेंगे। वहीं हाईकोर्ट ने याचिका पर शासन को नोटिस जारी कर तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। इस तरह की 500 से अधिक याचिकाएं दायर की गई है, बता दें कि इस मामले में सुनवाई अब एक साथ 13 सितंबर को होगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)